मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 7 अंक 273
शुक्रवार, 25 अप्रैल 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

दुश्मनों ने देश की आत्मा पर हमला किया, आतंकियों को कल्पना से भी बड़ी सजा देंगे: पीएम मोदी

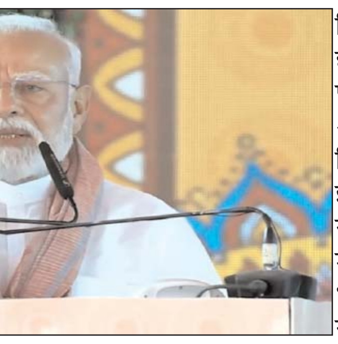

मधुबनी, 24 अप्रैल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज बिहार में है। बिहार में उन्होंने विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। हालांकि, पहलगाम आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह पहला सार्वजनिक कार्यक्रम था। उन्होंने अपने संबोधन की शुरूआत करते हुए वहां मौजूद लोगों से पहलगाम आतंकी हमले में जान गवांने वाले लोगों को श्रद्धांजलि देने की अपील की। इस दौरान प्रधानमंत्री ने अपने दोनों हाथ जोड़ रखे थे। मोदी ने कहा कि 22 अप्रैल को मासूम देशवासियों को जिस बेरहमी से आतंकवादियों ने मारा है, उससे पूरा देश गुस्से में है। पीड़ित परिवारों के साथ पूरा देश खड़ा है।

मोदी ने कहा इस आतंकी हमले में किसी ने अपना बेटा खोया, किसी ने भाई खोया, किसी ने अपना जीवनसाथी खोया है। कोई बांग्ला बोलता था, कोई मराठी था, कोई गुजराती था, कोई ओडिया था, कोई बिहार का लाल था। आज सभी की मृत्यु पर कारगिल से कन्याकुमारी तक दुख और आक्रोश एक जैसा है। उन्होंने कहा कि हमला सिर्फ निहत्थे पर्यटकों पर नहीं हुआ है, देश के दुश्मनों ने भारत की आत्मा पर हमला करने का दुस्साहस किया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जिन्होंने यह हमला किया है, उन आतंकवादियों को और इस हमले की साजिश रचने वालों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी, सजा मिल कर रहेगी। अब आतंकियों की बची-कुची जमीन को भी मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि 140 करोड़ भारतीयों की इच्छा शक्ति आतंकवादियों की कमर तोड़ कर रहेगी। इसके बाद मोदी ने कहा कि आज पंचायती राज दिवस के मौके पर पूरा देश मिथिला से, बिहार से जुड़ा है। आज यहां देश के, बिहार के विकास से जुड़े हजारों करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। बिजली, रेल, इंफ्रास्ट्रक्चर के इन विभिन्न कार्यों से बिहार में रोजगार के नए मौके बनेंगे। उन्होंने कहा कि बिहार वो धरती है, जहां से पूज्य बापू ने सत्याग्रह के मंत्र का विस्तार किया था।

पूज्य बापू के दृढ़ विश्वास था कि जब तक भारत के गांव मजबूत नहीं होंगे, तब तक भारत का तेज विकास नहीं हो पाएगा। देश में पंचायती राज की परिकल्पना के पीछे यही भावना है। उन्होंने कहा कि बीते दशक में पंचायतों को सशक्त करने के लिए एक के बाद एक कदम उठाए गए हैं। टेक्नोलॉजी के माध्यम से भी पंचायतों को मजबूत किया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते दशक में 2 लाख से ज्यादा ग्राम पंचायतों को इंटरनेट से जोड़ा गया। 5.50 लाख से ज्यादा कॉमन सर्विस सेंटर गांवों में बने हैं। पंचायतों के डिजिटल होने से एक और फायदा हुआ है। अब जीवन/मृत्यु प्रमाण पत्र, भूमि धारण प्रमाण पत्र जैसे कई दस्तावेज आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आजादी के अनेक दशकों बाद जहां देश को संसद की नई ईमारत मिली, वहीं देश में 30 हजार नए पंचायत भवन भी बनाए गए। पंचायतों को पर्याप्त फंड मिले, ये भी सरकार की प्राथमिकता रही है। बीते 10 साल में 2 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का फंड पंचायतों को मिला है।

भारत अपनी स्वतंत्रता, संप्रभुता, सुरक्षा से समझौता नहीं करेगा: मनोहर लाल खट्टर

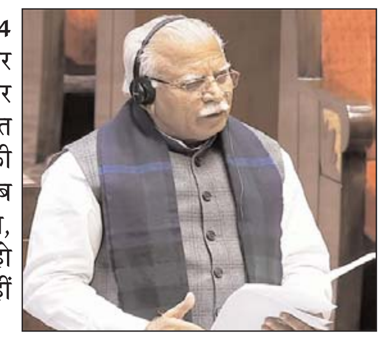

नई दिल्ली, 24 अप्रैल। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत सार्वभौमिक भाईचारे की बात करता है, लेकिन जब बात अपनी स्वतंत्रता, संप्रभुता और सुरक्षा की हो तो वह कोई समझौता नहीं करेगा।

खट्टर ने यह बात यहां स्वदेशी शोध संस्थान द्वारा आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कही। उनकी यह टिप्पणी जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकवादी हमले की पृष्ठभूमि में आई है। इस हमले में 26 लोग मारे गए हैं और कई घायल हुए हैं।

आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री ने आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा, अगर दुनिया के पास परमाणु हथियार हैं, तो हम भी पीछे नहीं हैं। हम विश्व बंधुत्व की बात करते हैं, लेकिन जैसा कि आम बोलचाल में कहा जाता है, हम किसी को छेड़ेंगे नहीं, लेकिन कोई छेड़ेगा तो छोड़ेंगे नहीं। उन्होंने कहा, हमें अपनी स्वतंत्रता और संप्रभुता की रक्षा के लिए तैयार रहना होगा। हम विश्व बंधुत्व की बात करते हैं, लेकिन हम अपनी सुरक्षा से समझौता नहीं करते।

जम्मू कश्मीर के उधमपुर में तलाशी अभियान के दौरान गोलीबारी में जवान शहीद

कश्मीर। जम्मू कश्मीर के उधमपुर जिले में बृहस्पतिवार को तलाशी अभियान के बाद सुरक्षा बलों और संदिग्ध आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ में सेना का एक जवान शहीद हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना के आधार पर घेराबंदी और तलाशी अभियान के दौरान डुडु-बसंतगढ़ इलाके में गोलीबारी हुई। व्हाइट नाइट कोर ने एक्स पर कहा, विशिष्ट खुफिया सूचना के आधार पर आज उधमपुर के बसंतगढ़ इलाके में जम्मू कश्मीर पुलिस के साथ एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों के आमने-सामने आने पर भीषण गोलीबारी शुरू हो गई। सेना ने कहा, शुरूआती गोलीबारी में हमारा एक बहादुर जवान गंभीर रूप से घायल हो गया और बाद में सर्वश्रेष्ठ चिकित्सा प्रयासों के बावजूद वह बच नहीं सका। उन्होंने कहा कि अंतिम सूचना आने तक मुठभेड़ जारी थी। इससे पहले बुधवार को जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच गोलीबारी हुई थी। अधिकारियों के अनुसार, सुरक्षा बलों ने कुलगाम जिले के तंगमर्ग इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया था। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों द्वारा सुरक्षाकर्मियों पर गोलीबारी करने के बाद मुठभेड़ शुरू हुई।

सर्वदलीय बैठक में नहीं बुलाए जाने पर ओवैसी नाराज

नई दिल्ली। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पहलगाम सर्वदलीय बैठक के लिए संसद में सदस्यों की संख्या की परवाह किए बिना सभी राजनीतिक दलों को आमंत्रित करने का आग्रह किया। सोशल मीडिया पर पोस्ट में हैदराबाद से लोकसभा सदस्य ने कहा कि उन्होंने बुधवार रात केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू से बात की और उन्हें बताया गया कि एनडीए सरकार केवल पांच या 10 सांसदों वाले दलों को आमंत्रित करने के बारे में सोच रही है। ओवैसी ने यह भी कहा कि जब उन्होंने पूछा कि कम सांसदों वाली पार्टियों को क्यों नहीं बुलाया गया, तो केंद्रीय मंत्री ने जवाब दिया कि बैठक बहुत लंबी हो जाएगी और मजाक किया कि AIMIM नेताओं की आवाज वैसे भी बहुत तेज है। उन्होंने कहा कि आपकी अपनी पार्टी (भाजपा) के पास बहुमत नहीं है। चाहे वह 1 सांसद वाली पार्टी हो या 100, वे दोनों भारतीयों द्वारा चुने गए हैं।

कुछ बड़ा होने वाला है, बॉर्डर पर अलर्ट, श्रीनगर जाएंगे सेना प्रमुख

नई दिल्ली, 24 अप्रैल। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी पहलगाम हमले के मद्देनजर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करने के लिए कल श्रीनगर, जम्मू-कश्मीर का दौरा करेंगे। स्थानीय सैन्य संरचनाओं के शीर्ष कमांडर उन्हें घाटी में और नियंत्रण रेखा पर सेना द्वारा उठाए गए आतंकवाद विरोधी उपायों के बारे में जानकारी देंगे। 15 कोर कमांडर और राष्ट्रीय राइफल्स के अन्य गठन कमांडर इस दौरे के दौरान मौजूद रहेंगे। इससे पहले खबर आई थी कि पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों के मारे जाने के दो दिन बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात के बाद राष्ट्रपति भवन से रवाना हुए। पाक नागरिकों को जारी किए गए मौजूदा वैध वीजा 27 अप्रैल से रद्द कर दिए गए हैं। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने गुरुवार को कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए सभी मौजूदा वैध वीजा 27 अप्रैल से रद्द कर दिए गए हैं। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए मेडिकल वीजा केवल 29 अप्रैल तक वैध होंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत में वर्तमान में मौजूद सभी पाकिस्तानी नागरिकों को अपने वीजा की अवधि समाप्त होने से पहले भारत छोड़ देना चाहिए। भारतीय नागरिकों को पाकिस्तान की यात्रा करने से बचने की सख्त सलाह दी जाती है। इसमें कहा गया है कि वर्तमान में पाकिस्तान में मौजूद भारतीय नागरिकों को भी जल्द से जल्द भारत लौटने की सलाह दी जाती है।

ट्रकों, भारी वाहनों के लिए सुरक्षा मूल्यांकन रेटिंग जल्द: नितिन गडकरी

नई दिल्ली, 24 अप्रैल। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि मंत्रालयट्रकों और भारी वाणिज्यिक वाहनों के लिए सुरक्षा मूल्यांकन रेटिंग शुरू करने की योजना बना रहा है।

यह मूल्यांकन देश के अपने क्रैश (वाहनों की टक्कर) परीक्षण कार्यक्रम, भारत एनसीएपी (नई कार मूल्यांकन कार्यक्रम) की तर्ज पर होगा। गडकरी ने न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम (जीएनसीएपी) और सड़क यातायात शिक्षा संस्थान (आईआरटीई) द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य विनिमार्ताओं को उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए प्रोत्साहित करना है, जिससे वाहन अधिक सुरक्षित बन सकें।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार देश में बैटरी चालित ई-रिक्शा के लिए मानकों और सुरक्षा मूल्यांकन प्रणाली पर पहले से ही काम कर रही है क्योंकि उनको लेकर सुरक्षा संबंधी समस्याएं हैं। उन्होंने कहा कि ई-रिक्शा में सुरक्षा सुधार से उनकी गुणवत्ता बेहतर होगी और अधिक रोजगार पैदा होगा।

गडकरी ने 2023 में भारत एनसीएपी पेश किया था, जिसका उद्देश्य 3.5 टन तक के मोटर वाहनों के सड़क सुरक्षा मानकों में सुधार करना है। उन्होंने कहा कि भारत में हर साल सबसे अधिक घातक सड़क दुर्घटनाएं होती हैं।

भारत हर साल 4.8 लाख सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिसके परिणामस्वरूप 1.8 लाख लोगों की मृत्यु होती है। गडकरी ने कहा कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता सड़क सुरक्षा, सुरक्षित राजमार्गों का विस्तार और वाहन सुरक्षा तथा इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि सरकार अगले कुछ वर्षों में लॉजिस्टिक लागत को वर्तमान 14-16 प्रतिशत से घटाकर नौ प्रतिशत करने पर भी काम कर रही है। गडकरी ने कहा कि सड़क मंत्रालय ट्रक चालकों के काम के घंटे निर्धारित करने के लिए एक कानून पर भी काम कर रहा है क्योंकि वर्तमान में वे प्रतिदिन 13-14 घंटे गाड़ी चलाते हैं।

केरल के 575 लोग अभी कश्मीर में हैं, उन्हें हरसंभव सहायता दी जा रही है : मुख्यमंत्री विजयन

केरल, 24 अप्रैल। केरल के मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन ने बृहस्पतिवार को कहा कि केरल के 575 लोग अभी कश्मीर में हैं और जरूरतमंद लोगों को यात्रा, चिकित्सा सहायता और भोजन उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाए गए हैं।

मंगलवार दोपहर को दक्षिण कश्मीर के लोकप्रिय पर्यटन स्थल पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा किए गए हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें अधिकतर अन्य राज्यों से आए पर्यटक थे। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक, विजयन ने कहा कि कश्मीर से दिल्ली आने वालों के लिए आगे की यात्रा के वास्ते टिकट बुकिंग सहित अन्य व्यवस्थाएं की गई हैं। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को देश की अंतरात्मा को झकझोर देने वाला बताते हुए विजयन ने कहा कि इस तरह की घटना दोबारा नहीं होने देनी चाहिए क्योंकि यह मानवता पर हमला है। उन्होंने कहा, हमारा दुख इस बात से और बढ़ गया है कि वहां जान गंवाने वालों में एक केरलवासी भी है। हम मृतक एन रामचंद्रन के परिजनों के दुख में शामिल हैं।

पाक को सबक सिखाना एवं आतंकवाद को उखाड़ना होगा

-ललित गर्ग

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए बर्बर एवं क्रूर आतंकी हमले से सारा देश गम एवं गुस्से में दिख रहा है, वही मोदी सरकार इस बार आर-पार के मूड में दिख रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की बैठक के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ पांच बड़े और कड़े फैसले लेते हुए पाकिस्तान पर शिकंजा कसा है, जिससे वह डरा है, सहमा है, घबराया है। इन पंच शिकंजों में 1960 की सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है, राजनयिक मिशन की संख्या घटाई जाएगी, पाकिस्तानी सैन्य राजनयिकों को एक हफ्ते में भारत छोड़ना होगा, पाकिस्तानियों के लिए सार्क वीजा रद्द कर दिया गया है और अटारी बॉर्डर को भी तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है। ये कदम जहां आतंकवाद के खिलाफ भारत की कड़ी नीति को दशार्ते हैं वहीं पाकिस्तान को उसकी औकात दिखाने का एक डिप्लोमैटिक स्ट्राइक है, जबकि भीतर-ही-भीतर किसी बड़ी कार्रवाई से इंकार नहीं किया जा सकता। सीमा पार आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान पर दबाव बनाने और भारत की सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में मोदी सरकार से अभी अधिक सख्त कार्रवाई की अपेक्षा है और आशा की जा रही है कि सरकार जनता की अपेक्षाओं से भी दो कदम आगे इस बार बदला लेगी। इस बार की तांडवी टंकार एवं हुंकार पाकिस्तान की न केवल कमर तोड़ देगी, बल्कि उसके नापाक मनसूबों को हमेशा के लिये नेस्तनाबूद कर देगी। पाकिस्तान ने अब तक भारत की शांति एवं सहयोग भावना को देखा है लेकिन अब हिंसा के लिये हिंसा की खनकार देखेगा। निदोर्षों की हत्या करन वालों, विश्वासघात का मार्ग अपनाने वालों एवं निहत्थों पर कहर बरपाने वालों को अब पता लगेगा कि धर्म एवं शांतिवादियों की ताकत क्या होती है?

पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा के एक संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने निर्दोष पर्यटकों पर किये गये इस कायरतापूर्ण हमले की जिम्मेदारी ली है। इस दुखद घटना ने वर्ष 2008 में दुस्साहसपूर्ण ढंग से मुंबई और भारत को हिलाकर रख देने वाले लश्कर-ए-तैयबा द्वारा रचे गए नरसंहार की याद दिला दी है। यह महज संयोग नहीं कि यह हमला 26/11 के आरोपी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण और पाक सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के भारत विरोधी बयान के बाद हुआ। यह हमला पाकिस्तान की अब तक की सबसे बड़ी भूल एवं अमानवीयता एवं पाशविकता का घिनौना कृत्य बना है। मुनीर ने कश्मीर को अपने देश की ह्यगले की नसह्ण बताया लेकिन यही नस अब पाकिस्तान का सर्वनाश करेंगी, उसको कड़वे घुंट पीने को विवश करेगी। दाने-दाने को तरसता पाकिस्तान अब त्राहि-त्राहि करते हुए तबाही के कगार पर पहुंचेगा। एक ओर जहां बलूच विद्रोह ने मुनीर व सेना की नींद उड़ा रखी है, अब भारत उसकी नींद ही नहीं, सुख-चैन भी छीन लेगा। गैर मुस्लिमों को निशाना बनाना और वह भी अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी.वेंस की भारत यात्रा के दौरान- यह स्पष्ट करता है कि आतंकवादियों व उनके आकाओं ने भाजपा के नेतृत्व वाली मोदी सरकार को चुनौती दे दी है, सीधे-सीधे ललकारा है। मोदी सरकार को सस्ते में लेने की भूल के परिणाम पाकिस्तान पहले भी भुगत चुका है, उरी (2016) और पुलवामा (2019) की तरह पहलगाम हत्याकांड में बहा निदोर्षों का रक्त व्यर्थ नहीं जायेगा। जिस तरह श्रीकृष्ण को आसूरी शक्तियों के खिलाफ महाभारत रचना पड़ा, उसी तरह मोदी पाकिस्तान के आतंकवाद के खिलाफ कोई बड़े युद्ध की संरचना कर-के हमेशा के लिये आतंकवाद का सर्वनाश करे।

पहलगाम हत्याकांड के बाद न केवल समूचे देश में बल्कि कश्मीर घाटी में पहली बार गहरा आक्रोश देखने को मिला है। घाटी में 35 साल बाद पहली बार आतंकी हमले के खिलाफ बंद का आयोजन किया गया है। बुधवार को बंद के आह्वान के बाद श्रीनगर में अधिकांश व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। लोग सड़कों में दुख और आक्रोश व्यक्त करते नजर आए और कहा कि यह घटना कश्मीर की अतिथि और शांति की भावना के साथ विश्वासघात है। यह घटना कश्मीरियों की रोजी-रोटी पर कुठाराघात है। यह कश्मीर की शांति को लीलने की कुचेष्ठा है। लश्करे-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन के इस हमले का मकसद पर्यटकों में खौफ पैदा करना और घाटी में सामान्य स्थिति की वापसी को रोकना था। यहां उल्लेखनीय है कि बीते साल जम्मू-कश्मीर में पैंतीस लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे थे। लेकिन पहलगाम जैसी जगह में जहां सत्तर फीसदी लोगों की आजीविका पर्यटन से जुड़ी है, वहां स्थिति सामान्य होने में अब लंबा वक्त लगेगा। आने वाले दिनों के लिये पर्यटकों ने अपनी यात्राएं रद्द कर दी हैं।

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में काफी बदलाव आया था। आतंकवाद लगातार सिमट रहा था, शांति का उजाला हो रहा था। वादियां की रौनक बढ़ी और बाजार गुलजार हो उठे थे। श्रीनगर के लालचौक पर मिलजुल कर त्यौहार मनाए जाने लगे थे। बागों में ट्यूलिप के फूल खिल उठे थे। बर्फ की वादियों में मंद-मंद शीतल हवाओं से चिनार के पेड़ झूमने लगे थे। जो देश एवं दुनिया के असंख्य पर्यटकों को खींच रहे थे। उम्मीदें बंध गई थीं कि एक न एक दिन आतंकवाद मुक्त जम्मू-कश्मीर नई सुबह देखेगा लेकिन बढ़ते पर्यटक और मजबूत होती अर्थव्यवस्था पाक को रास नहीं आई। पहलगाम के भयावह हमले ने एक बार फिर सबको खौफजदा कर दिया। जम्मू-कश्मीर में शांति, सौहार्द और विकास पाकिस्तान में बैठे आतंक के आकाओं को नागवार गुजर रहा था। इसलिए पाकिस्तान की सेना, सेना प्रमुख तौकिर मुनीर, उसकी खुफिया एजैंसी आईएसआई और आतंकवादी संगठनों ने मिलकर ऐसी साजिश रच डाली, जिसने उनके धर्म को धुंधलाने एवं शर्मसार करने के साथ पाकिस्तानी इरादों को भी बेनकाब कर दिया।

पाकिस्तान को जवाब देने की तैयारी व्यापक स्तर पर हो रही है, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या भारत ऐसी कोई बड़ी कार्रवाई कर सकेगा, जिससे वह सही रास्ते पर आ जाए? पहलगाम का आतंकी हमला भारत की चेतना और उसकी अस्मिता पर किया गया भीषण हमला है। इस हमले के द्वारा भारत को ललकारा गया है। अब पाकिस्तान को उसी की भाषा में सबक सिखाने के लिए सभी विकल्पों पर विचार होना ही चाहिए। यदि युद्ध अपेक्षित हो तो उसे भी अंजाम देना चाहिए। उसकी परमाणु हमले की धमकियों से आखिर कब तक डरा जायेगा? इसी के साथ इस पर भी मंथन हो कि आखिर पहलगाम में आतंकी इतनी आसानी से इतने लोगों को मारने में सफल कैसे हो गए? सीमा पार से आतंकियों की घुसपैठ एवं सक्रियता जारी थी। ऐसे में भारत सरकार, सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंसियों को और सतर्क रहना चाहिए था। यह मानने के पर्याप्त कारण हैं कि कश्मीर में जब बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंच रहे थे, तब वहां जैसी चौकसी बरती जानी चाहिए थी, उसका अभाव क्यों देखने को मिला?

जिस तरह से धर्म और नाम पूछकर आतंकवादियों ने हिन्दुओं का नरसंहार किया उससे समूचा राष्ट्र आक्रोश में है। भारत की बेटी जिस की हाथों की मेहंदी का रंग भी अभी फीका नहीं हुआ था और तीन दिन पहले ही उसकी शादी हुई थी, उसकी अपने पति भारतीय नौसेना के लेफ्टीनेंट विनय नरवाल के शव के साथ तस्वीर देखकर समूचे देश का दिल दहल गया। हैदराबाद के आईबी अधिकारी मनीष रंजन को पत्नी और बच्चों के सामने मार दिया गया, ऐसे ही दर्दनाक दृश्य चारों ओर बिखरे थे। यह हमला वैसा ही जैसा हमास के आतंकवादियों ने इजराइल पर किया था। आज समूचा राष्ट्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ खड़ा है। हर देशवासी चाहता है कि पाकिस्तान को ऐसा सबक सिखाया जाए जैसा इजराइल ने हमास को सिखाया है। बहरहाल, इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद केंद्र सरकार ने युद्धस्तर पर कार्रवाई प्रारंभ कर दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार में तीव्र गर्जना करते हुए पाकिस्तान को सबक सिखाने का संकल्प व्यक्त किया है। गृहमंत्री अमित शाह ने आतंकवाद के आगे घुटने न टेकने की बात कहीं है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हमलावरों को यथाशीघ्र कड़ा जवाब दिया जाएगा। लेकिन अब घाटी की उन आवाजों को भी बुलंद करना चाहिए जिन्होंने हिंसा को खारिज करके मानवता, देश की एकता एवं घाटी की शांति को चुना है।

आर्थिक तंगी के चलते भूखों मरता पाकिस्तान अब अपनी आतंकवादी हरकतों की वजह से प्यासे भी मरेगा

अशोक भाटिया

भारत और पाकिस्तान के संबंध पहलगाम आतंकी हमले के बाद ऐतिहासिक निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। 26 लोगों की मौत इस हमले में हुई है। हमले के जवाब में भारत ने सिंधु जल संधि स्थगित कर दी, अटारी चेक पोस्ट बंद किया, पाकिस्तानी नागरिकों के रअअफ्ह वीजा रद्द किए, और दोनों देशों के उच्चायोगों में कर्मचारियों की संख्या घटाने का फैसला लिया। इन कदमों से बौखलाए पाकिस्तान ने राष्ट्रीय सुरक्षा समिति की बैठक बुलाकर भारत को जवाब देने की गीदड़भभकी दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान की आंतरिक अस्थिरता और आर्थिक संकट उसे भारत के खिलाफ उकसाने का काम कर रहे हैं। भारत का सख्त रुख दोनों देशों के बीच तनाव को और गहरा सकता है।

आर्थिक तंगी के चलते भूखों मरता पाकिस्तान अब अपनी आतंकवादी हरकतों की वजह से प्यासे भी मरेगा। आतंकियों का पनाहगार बने पाकिस्तान का हुक्का-पानी बंद होने वाला है। भारत अब पाकिस्तान के साथ सिंधु नदी जल समझौते पर आगे नहीं बढ़ना चाहता। इससे पाकिस्तान की मुश्किलें बढ़नी तय हैं। इस मामलें में भारत ने अपना वक्तव्य दे दिया है।

गौरतलब है कि पाकिस्तान की आर्थिक हालत इस कदर बदहाल हो गई है कि वहां लोगों को दो वक्त की रोटी के लाले पड़े हैं। पाकिस्तान भूख से तड़प रहा है। आटे, दाल और चावल के लिए लोग आपस में छीना-झपटी और मारपीट तक कर रहे हैं। पाकिस्तान के आंतरिक हालात की ये तस्वीरें पूरी दुनिया देख रही है। महंगाई पाकिस्तान में लोगों की कमर तोड़ चुकी है। पाकिस्तानियों को भरपेट भोजन भी नसीब नहीं हो रहा। अभी तक पाकिस्तान भूख और आर्थिक बदहाली का मारा है, लेकिन अब उसके प्यासों मरने की भी नौबत आ गई है। भारत ने पहले उसे दर-दर कटोरा लेकर भीख मांगने को मजबूर किया था। अब यही भारत उसे बाल्टी पकड़ाने जा रहा है। क्योंकि पाकिस्तान की हरकतें ही कुछ ऐसी हैं। दरअसल भारत पाकिस्तान के साथ सिंधु नदी जल समझौता तोड़ दिया है। ज्ञात हो कि भारत ने सिंधु जल समझौता 1960 में संशोधन के लिए पाकिस्तान को नोटिस जारी किया था। 65 साल के इतिहास में यह पहली बार है जब भारत ने सिंधु जल समझौते में संशोधन की मांग की थी । उस समय पाकिस्तान को जारी नोटिस इसलिए भी मायने रखता था क्योंकि भारत के कई एक्सपर्ट्स समय-समय पर इस समझौते को रद्द करने की मांग करते रहे हैं। भारत भी इससे पहले पाकिस्तान को पानी रोकने की चेतावनी दे चुका था ।

पुलवामा हमले के बाद फरवरी 2019 में भी भारत के तत्कालीन परिवहन और जल संसाधन मंत्री नितिन गडकरी ने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा था कि भारत पाकिस्तान में बह रहे अपने हिस्से के पानी को रोक सकता है। सिंधु जल समझौता रद्द होने या भारत की ओर से पानी डायवर्ट करने से पाकिस्तान में नदी के पानी पर निर्भर रहने वाले करोड़ों लोगों के लिए संकट पैदा हो सकता है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, भारत ने यह नोटिस 25 जनवरी 2022 को जारी किया था । भारत की ओर से जारी नोटिस में कहा गया था कि भारत, पाकिस्तान के साथ जल संधि को पूरी तरह से लागू करने का समर्थक रहा है। लेकिन पाकिस्तान की कार्रवाइयों ने भारत को जरूरी नोटिस जारी करने के लिए मजबूर कर दिया। नोटिस जारी करने का मुख्य मकसद पाकिस्तान को समझौते के उल्लंघन को सुधारने के लिए 90 दिनों की मोहलत देना था । पाकिस्तान नोटिस रिसीव करने के तीन महीने के भीतर आपत्ति दर्ज करा सकता था। दरअसल सिंधु जल समझौता तत्कालीन भारतीय प्रधान मंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू और पाकिस्तानी मिलिट्री जनरल अयूब खान के बीच कराची में सितंबर 1960 में हुआ था। लगभग 63 साल पहले हुई सिंधु जल संधि (IWT) के तहत भारत को सिंधु तथा उसकी सहायक नदियों से 19 I5 प्रतिशत पानी मिलता रहा है। जबकि पाकिस्तान को लगभग 80 प्रतिशत पानी मिलता है। भारत अपने हिस्से में से भी लगभग 90 प्रतिशत पानी ही उपयोग करता रहा है।

1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु घाटी को छह नदियों में विभाजित करते हुए इस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। इस समझौते के तहत दोनो देशों के बीच प्रत्येक साल सिंधु जल आयोग की वार्षिक बैठक होना अनिवार्य है। सिंधु जल संधि को लेकर पिछली बैठक 30-31 मई 2022 को नई दिल्ली में हुई थी। इस बैठक को दोनों देशों ने सौहार्दपूर्ण बताया था। पूर्वी नदियों पर भारत का अधिकार है। जबकि पश्चिमी नदियों को पाकिस्तान के अधिकार में दे दिया गया। इस समझौते की मध्यस्थता विश्व बैंक ने की थी।

भारत को आवंटित तीन पूर्वी नदियां सतलज, ब्यास और रावी के कुल 168 मिलियन एकड़-फुट में से लगभग 33 मिलियन एकड़ फीट वार्षिक जल भारत के लिए आवंटित किया गया है। भारत अपने हिस्से का लगभग 90 प्रतिशत ही उपयोग करता है। बाकी बचा हुआ पानी पाकिस्तान चला जाता है। जबकि पश्चिमी नदियां जैसे सिंधु, झेलम और चिनाब का लगभग 135 मिलियन एकड़ फीट वार्षिक जल पाकिस्तान को आवंटित किया गया है।

सिंधु जल प्रणाली में मुख्य नदी के साथ-साथ पांच सहायक नदियां भी शामिल हैं। इन नदियों में रावी, ब्यास, सतलज, झेलम और चिनाब है। ये नदियां सिंधु नदी के बाएं बहती है। रावी, ब्यास और सतलुज को पूर्वी नदियां जबकि जबकि चिनाब, झेलम और सिंधु को पश्चिमी नदियां कहा जाता है। इन नदियों का पानी भारत और पाकिस्तान दोनों के लिए महत्वपूर्ण है।

पुलवामा हमले के बाद भारत के तत्कालीन परिवहन और जल मंत्री नितिन गडकरी ने ट्वीट करते हुए कहा था कि भारत सरकार पाकिस्तान जाने वाले अपने हिस्से के पानी को रोकने का फैसला कर रहा है। हम पूर्वी नदियों के पानी को डायवर्ट कर जम्मू-कश्मीर और पंजाब में अपने लोगों को इसकी आपूर्ति करेंगे। इसके अलावा, गडकरी ने उत्तर प्रदेश में कई जल परियोजनाओं का उद्घाटन करते हुए कहा था कि हमारी तीन नदियां पाकिस्तान में बहती हैं। इसलिए हमारे हिस्से का पानी पाकिस्तान में जा रहा है। अब हम एक परियोजना बनाने और इन नदियों के पानी को यमुना में मिलाने की योजना बना रहे हैं। कई विशेषज्ञों और सुरक्षा प्रतिष्ठानों का कहना है कि सिंधु संधि जल समझौता एक ऐतिहासिक भूल थी। अब समय आ गया है कि भारत इस भूल को ठीक करे। इस समझौते में जरूरी संशोधन कर सिंधु और उसके सहायक नदियों का पानी उचित मात्रा में आवंटित करे। पाकिस्तान रुक-रुक कर भारत पर आतंकी हमला करता रहता है। ऐसे में खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते। एक अन्य एक्सपर्टस सतीश चंद्रा का कहना है कि नेहरू ने यह समझौता दोनों देशों के बीच संबंधों को बढ़ावा देने की उम्मीद से की थी। लेकिन पाकिस्तान ने इस उम्मीद पर पानी फेर दिया है। हमें इस समझौते से बाहर निकल जाना चाहिए। इस संधि की वजह से कई भारतीय परियोजनाओं को रोक दिया गया।

मनोहर पर्रिकर इंस्टीट्यूट फॉर डिफेंस स्टडीज एंड एनालिसिस (IDSA) के नॉन-ट्रेडिशनल सिक्योरिटी सेंटर के हेड उत्तम कुमार मनोहर सिन्हा के अनुसार, इस समझौते से बाहर निकलने का कोई प्रावधान नहीं है। लेकिन यह समझौता इसलिए जारी है क्योंकि भारत इसे जारी रखना चाहता है। दूसरे शब्दों में कहें तो इस समझौते को रद्द करने का कोई प्रावधान नहीं है। लेकिन समझौते के प्रावधानों में संशोधन का उल्लेख है। हालांकि, 1960 में पाकिस्तान के अनुकूल समझौता होने के कारण पाकिस्तान फिर से इसपर बातचीत नहीं करना चाहेगा। उत्तम कुमार का मानना है कि संधि को रद्द करने में कोई रणनीतिक लाभ नहीं है।

दरअसल, सिंधु जल समझौते के तहत भारत को कुछ शर्तों के साथ पश्चिमी नदियों पर रन ऑफ द रिवर परियोजना के माध्यम से पनबिजली उत्पन्न करने का अधिकार दिया गया है। भारत के केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में किशनगंगा (नीलम) और रातले जलविद्युत परियोजनाएं इन्हीं पश्चिमी नदियों पर हैं। लेकिन पाकिस्तान इस पर आपत्ति जताता रहा है। पाकिस्तान ने 2015 में इस परियोजना पर तकनीकी आपत्तियों की जांच के लिए एक तटस्थ विशेषज्ञ की नियुक्ति का अनुरोध किया था। लेकिन 2016 में पाकिस्तान ने इस अनुरोध को एकतरफा वापस लेते हुए फैसला सुनाने के लिए एक मध्यस्थ अदालत की मांग की। पारस्परिक रूप से बीच का रास्ता निकालने के लिए भारत की ओर से बार-बार प्रयास करने के बावजूद पाकिस्तान ने 2017 से 2022 तक स्थायी सिंधु आयोग की पांच बैठकों में इस पर चर्चा करने से इनकार कर दिया। इस तरह से पाकिस्तान की ओर से सिंधु जल संधि के प्रावधानों के लगातार उल्लंघन ने भारत को सिंधु जल समझौते में संशोधन इस तरह से पाकिस्तान की ओर से सिंधु जल संधि के प्रावधानों के लगातार उल्लंघन ने भारत को सिंधु जल समझौते में संशोधन को लेकर नोटिस जारी करने के लिए मजबूर कर दिया था। अब इस समझौते के रोकने से भारत सिंधु नदी का जल प्रवाह पाकिस्तान को रोक देगा, जिससे पाकिस्तान बूंद-बूंद को तरस सकता है। पाकिस्तान के पंजाब सूबे को इससे सबसे ज्यादा लाभ मिलता रहा है। सिंधु नदी अरब सागर तक पाकिस्तान के कई राज्यों से होकर बहती है। इस समझौते के रुकने से सबसे ज्यादा असर पाकिस्तान की खेतीबारी पर पड़ेगा। वहां के खेत सूखे पड़ जाएंगे और फसल उत्पादन ठप हो जाएगा। करीब 21 करोड़ से ज्यादा की पाकिस्तानी आबादी की जल जरूरतें भी इसी सिंधु जल प्रणाली पर निर्भर है। यानी इसके रुकने से पीने के पानी का भी संकट हो जाएगा। करीब 17 लाख एक-ड़ जमीन, जो पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में है, पानी की कमी से वीरान हो जा सकती है। इससे पाकिस्तान में भयंकर भुखमरी की नौबत आ सकती है। पाकिस्तान पहले से ही आर्थिक संकट झेल रहा है और अन्न संकट की वजह से भुखमरी की मार झेल रहा है। अब भारत के ऐक्शन से उसकी कमर टूट सकती है। यानी मोदी सरकार के इस ऐक्शन से पाकिस्तान की बड़ी आबादी भूख और प्यास दोनों से तड़प सकती है।

समझौते के मुताबिक हरेक साल सिंधु जल आयोग की बैठक होनी जरूरी है। पिछले साल अगस्त में, भारत ने सिंधु जल संधि की समीक्षा के लिए पाकिस्तान को एक नोटिस भी दिया था। उस नोटिस में कहा गया था कि परिस्थितियों में होने वाले मौलिक और अप्रत्याशित बदलावों के कारण समझौते की फिर से समीक्षा करने की जरूरत है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया था कि सीमा पार से होने वाली आतंकवादी घटनाएं ही इस नोटिस की वजह थीं। अब भारत ने आतंक की घटनाओं की वजह से ही ऐसा सख्त कदम उठाया है।

सशक्त पंचायतों से ही बनेगा विकसित राष्ट्र

-रमेश सर्राफ धमोरा

भारत गांवो का देश है। यहां की बहुसंख्यक आबादी आज भी गांवों में रहती है। भारत के गांव ही देश की अर्थव्यवस्था की मुख्य धूरी है। इसीलिए कहा जाता है कि जब तक देश कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत नहीं होगी तब तक भारत विकसित राष्ट्र नहीं बन पाएगा। गांव में सुशासन स्थापित करने के लिए ही ग्राम पंचायत की स्थापना की गई थी। हमारे देश के नेताओं को ग्रामीण पृष्ठभूमि का पूरा ज्ञान था। इसलिए उन्होंने गांव के महत्व को समझकर ग्रामीण क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए पंचायती राज व्यवस्था की स्थापना की थी। उनको पता था कि जब तक गांव मजबूत नहीं होंगे तब तक देश मजबूत नहीं होगा। गांव को मजबूत करने के लिए यहां मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाना सबसे महत्वपूर्ण कार्य था।

आजादी के समय भारत के गांव बहुत पिछड़े हुए थे। देश के अधिकांश गांवों में मूलभूत सुविधाओं के नाम पर कुछ नहीं था। मगर आज गांवों की व्यवस्था भी बहुत कुछ बदल गई है। आज देश के बहुत से गांव में शहरों की भांति सुविधा देखने को मिल रही है। लेकिन आज भी देश में हजारों ऐसे गांव है जहां पर्याप्त मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पाई है। जब तक सरकार देश के सभी गांव में समान रूप से सुविधा उपलब्ध नहीं करवा पाएगी तब तक देश विकास की दौड़ में पूरी गति से शामिल नहीं हो पाएगा। हम आज पंचायती राज दिवस मना रहे हैं। हमारे देश में 2 अक्टूबर 1959 को पहली बार पंचायती राज व्यवस्था लागू की गई थी। 1993 में त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था को संवैधानिक दर्जा प्राप्त हुआ था।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस भारत में बहुत महत्व रखता है क्योंकि यह एक संवैधानिक इकाई के रूप में पंचायती राज प्रणाली की स्थापना का प्रतीक है। पंचायती राज प्रणाली भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका उद्देश्य स्थानीय स्तर पर सत्ता और संसाधनों का विकेंद्रीकरण करना और सहभागी लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और समावेशी विकास को बढ़ावा देना है। पंचायती राज प्रणाली जमीनी स्तर पर लोगों को निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में भाग लेने और उनके विकास का स्वामित्व लेने में सक्षम बनाती है, जो स्व-शासन और जवाबदेही को बढ़ावा देने में मदद करती है।

भारत गांवों का देश माना जाता है और गांव के विकास में पंचायतों की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होती है। चूंकि ग्राम पंचायतों के पंच व सरपंच सीधे ग्रामीणों द्वारा चुने जाते हैं। इसलिए निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का अपनी ग्राम पंचायत क्षेत्र के लोगों से सीधा संपर्क रहता है। ग्रामवासी भी अपनी समस्याएं सीधे पंचायत तक पहुंचा सकतें है। मगर ग्राम पंचायतों की स्थापना के इतने वर्षों के बाद भी अभी तक ग्राम पंचायते वास्तविक रूप में सशक्त नहीं हो पाई है। ग्राम पंचायतें पूरी तरह राज्य सरकारों पर निर्भर है। कहने को तो ग्राम पंचायतों को बहुत सारे अधिकार प्रदान किए गए हैं। मगर आज तक भी अपने अधिकारों का ग्राम पंचायतें प्रयोग नहीं कर पाती है। आज भी देश की अधिकांश ग्राम पंचायतों में सरकारी अधिकारी, कर्मचारी प्रभावी रहते हैं।

ग्राम पंचायतों में आरक्षण व्यवस्था लागू होने के कारण बड़ी संख्या में महिलाएं पंच, सरपंच निर्वाचित होकर आती है। उनमें से कई महिलाएं तो वास्तव में बहुत अधिक पढ़ी लिखी होने के कारण पूरी जानकारी रखती है। इस कारण वह अपने अधिकारों का पूरा प्रयोग कर लेती है। मगर अधिकांशतः आरक्षण के कारण गांवो में प्रभावी नेता अपने परिवार की किसी महिला को पंच, सरपंच बनवा देते हैं। फिर उनके स्थान पर खुद नेतागिरी करते हैं। वहां की निर्वाचित महिलाएं मात्र कागजी जनप्रतिनिधि बन कर रह जाती है। बहुत से स्थानों पर तो महिला सरपंचों के हस्ताक्षर भी उनके स्थान पर काम करने वाले उनके परिजनों द्वारा ही कर दिए जाते हैं। ऐसी स्थिति में पंचायत राज व्यवस्था के मजबूत होने की तो कल्पना भी नहीं की जा सकती है। सरकार बार-बार परिपत्र जारी कर सरपंच के प्रतिनिधियों को पंचायतों के कार्यों में हस्तक्षेप करने से मना करती है। मगर धरातल में सरकार के परिपत्र मात्र कागजी बन कर रह जाते हैं।

देश में आज चाहे ग्राम पंचायत हो, पंचायत समिति हो या जिला परिषद हो। जहां भी महिला जनप्रतिनिधि निर्वाचित होकर आती है। उनके स्थान पर उनके परिजन ही कार्य करते देखे जा सकते हैं। सभी प्रदेशों की राज्य सरकारों को कड़ाई से इस पर रोक लगाई जानी चाहिए ताकि महिलाओं को भी अपने पद पर काम करने का मौका मिल सके। ग्रामीण क्षेत्रों में अक्सर देखने में आता है कि निर्वाचित पंच, सरपंच पंचायतों की बैठक में घूंघट निकाल कर बैठते हैं। क्योंकि वहां उनके ससुराल वाले बड़े परिजन की बैठे रहते हैं। आज देश शिक्षा के क्षेत्र में बहुत तरक्की कर रहा है। महिलाएं हर क्षेत्र में अपने काम से धूम मचा रही है। अब तो सेना को भी महिलाओं के लिए पूरी तरह खोल दिया गया है। ऐसे में जनप्रतिनिधियों का घूंघट निकाल कर बैठना सभ्य समाज के लिए किसी दुखद घटना से कम नहीं है। सरकार को ऐसी घटनाओं पर भी सख्ती बरतनी चाहिये। पंचायती राज व्यवस्था के माध्यम से महिलाओं का जीवन बहुत प्रभावित हुआ है। सही मायने में पंचायती राज ने महिलाओं को समाज का एक विशेष सदस्य बना दिया है। लाखों महिलाऐं सार्वजनिक जीवन में आयी हैं। लेकिन अधिकतर निर्वाचित महिलाओं को निर्वाचक सदस्य होने के विषय में पूर्ण जानकारी भी नहीं है। अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता की कमी के कारण वह प्रभावी नहीं हो पाती हैं। तथा उन्हे यह भी ज्ञान नहीं होता है कि वह एक कुशल प्रशासक भी हो सकती हैं। घूंघट में रहना लोकतंत्र और औरत जाति के लिए एक चुनौती है। समय के साथ बहुत कुछ बदल गया है लेकिन औरतो के प्रति लोगों की सोच अभी तक नहीं बदली है। राजनीति घूंघट में रह कर नहीं हो सकती। इसके लिए बेबाक होना पड़ता है। जब औरतें किसी कार्यक्रम में मंच पर घूंघट निकाल कर बैठेंगी तो वहां के हालात बड़े अजीबोगरीब हो जाते हैं। औरतों को अपने से कमतर मानने की सोच के चलते ही उन के चेहरे से परदा नहीं हट पा रहा है। लोकतंत्र की सबसे छोटी संसद पंचायती राज में हालांकि महिलाएं 50 फीसदी सीटों पर काबिज हैं। लेकिन इन महिला जनप्रतिनिधियों में से कई पढ़ी-लिखी होने के बाद भी ग्राम पंचायत की मिटिंगों में घूंघट में बैठी रहकर जुबान ही नहीं खोलतीं है। क्या ऐसी स्थिति के लिए ही पंचायत राज को मजबूती देने का निर्णय किया गया था। क्या इक्कीसवीं सदी में प्रवेश करने के बाद भी हमारे देश की महिला जनप्रतिनिधियो को घूंघट की ओट में ही जीने को विवश होना पड़ेगा। यह एक बड़ा सवाल है जिसे ना सिर्फ प्रशासनिक अधिकारियो को गंभीरता से लेना पड़ेगा बल्कि राजनेताओ व प्रशासनिक अधिकारियों को भी सरपंच पतियो के बढ़ते हस्तक्षेप पर प्रभावी अंकुश लगाना होगा। औरतों के सिर से घूंघट हटाने के लिए लड़कियों के मातापिता को आगे आना होगा। उन्हें अपनी बेटियों की शादी उसी परिवार में करनी चाहिए जहां घूंघट का बंधन नहीं हो। घूंघट में रह कर औरतें अपनी जिंदगी के तानेबाने को कैसे बुन सकती हैं? घूंघट में रह कर राजनीति या समाजसेवा नहीं की जा सकती।

आज के समय में ग्राम पंचायते पैसे कमाने का जरिया बन गई है। पंचायत चुनाव में बड़ी मात्रा में पैसे खर्च होते हैं। चुनाव जीतने के बाद निर्वाचित सरपंच द्वारा जनसेवा के बजाय पैसे कमाने पर अधिक ध्यान दिया जाता है। इस कारण निर्वाचित जनप्रतिनिधि ग्राम पंचायत के सामाजिक सरोकार के कामों को भूल कर निर्माण कामों में व्यस्त हो जाते हैं। अपनी पंचायत में अधिक से अधिक निर्माण कार्य स्वीकृत करवाने के लिए सरपंच विधायकों, सांसदों के चक्कर काटते रहते हैं। जिस कारण वह उनके दबाव में काम करते हैं। पंचायती राज व्यवस्था को सही मायने में सशक्त बनाने के लिए सरकार को सभी प्रकार के निर्माण कार्य ग्राम पंचायतों से हटाकर संबंधित विभागों से करवाया जाना चाहिए ताकि सरपंच जनता से जुड़ कर उनकी समस्याओं का सही मायने में समाधान करवा सकें।

हिंसा और आंतकवाद का घृणित स्वरूप

संजीव ठाकुर

पहलगाम में 28 निर्दोष पर्यटकों की आतंकवादियों द्वारा निर्मम हत्याकाण्ड को इतिहास में एक बड़ी अमानवीय घटना के रूप में याद किया जाएगा। भारत को चाहिए कि अब इस जहरिली विचारधारा तथा इसके नेपथ्य में जितनी भी संस्थाएं और देश शामिल है उनका सममूल्य नाश किया जाना चाहिए तब जाकर इन निर्दोष 28 व्यक्तियों की हत्या का बदला माना जाएगा। विचारधारा तथा मानसिक विकृति के शिकार कुछ बंदूकधारियों द्वारा निरिह लोगों की हत्या कर अपना मकसद साध लेना ही आतंकवाद की श्रेणी में नहीं आता है। बल्कि शक्ति संपन्न राष्ट्रों द्वारा अपनी विस्तार वादी सामंती अवधारणा को पूरा करने के लिए छोटे देशों पर हमला करना भी आतंकवाद ही है। इसराइल-हमास, रूस-यूक्रेन युद्ध इसका ताजा उदाहरण है, अमेरिका की दादागिरी, चीन का पागलपन, उत्तर कोरिया की सनक इन सबके विभस्त उदाहरण है जो अपनी व्यवसायिक, सामरिक और मानसिक सनक को पूरा करने के लिए किसी भी देश को नेस्तनाबूद कर नागरिकों पर कहर ढाकर उन्हें मौत के घाट उतार देते हैं। यह सब अंतर्राष्ट्रीय सामूहिक बलात आतंकवाद ही हैं। भारत एक सशक्त और बलशाली देश होने के बावजूद शांति की नीति को अपनाए हुए है और वैश्विक शांति का संदेश भी देने का प्रयास कर रहा है ऐसे देशों को साधुवाद देना चाहिए और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महाबली राष्ट्रों की विस्तार वादी तथा सामंती गतिविधियों की सार्वजनिक निंदा भी की जानी चाहिए।

आतंकवाद एक मानसिक विकृति की विचारधारा है। जिसके द्वारा हिंसक कार्यों और गतिविधियों से जनमानस अशांति और भय की स्थापना करके अपने लक्ष्य की प्राप्ति का प्रयास करना होता है। जिससे किसी भी क्षेत्र में आधिपत्य का अधिकार प्राप्त करने के लिए हिंसा और आतंक का सहारा लेकर जनमानस में अशांति का वातावरण निर्मित करने अपने मंसूबे पूरे कर आर्थिक सामाजिक और राजनैतिक विध्वंस का तांडव मचाना होता है। कुछ व्यक्तियों के समूह द्वारा संचालित मानव विरोधी गतिविधियां ही हैं जो कि समाज के विरुद्ध लूट, अपहरण, बम विस्फोट,हत्या जैसे जघन्य अपराधों को जन्म देती है। आतंकवाद मूलतः धार्मिक, राजनीतिक, सामाजिक परिवेश लिए हुए होता है। भारत में आतंकवाद धार्मिक और राजनीतिक ज्यादा परिलक्षित हुआ है। भारत में कश्मीर, लद्दाख, असम मैं विभिन्न अलगाववादी समूह द्वारा हिंसक अपराधिक कृत्य कर लोगों को भयभीत तथा पलायन करने पर मजबूर करने का कृत्य राजनीतिक आतंकवाद ही है। अलकायदा, लश्कर-ए-तैयबा ,जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठन धार्मिक कट्टरता की भावना से अपराध को अंजाम देते हैं। देश में नक्सलवाद ने छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल में अपना मौत का परचम फेहरा के रखा है। नक्सलवाद मूलतः सामाजिक क्रांतिकारी समूह द्वारा सरकार के विरोध में आमजन तथा आदिवासियों के मध्य अपनी समानांतर सरकार चलाने हेतु हिंसक घटनाएं की हैं। यह आतंकवादी ग्रुप हिंसा के द्वारा अलग अलग तरीके से आतंकवाद फैलाने का प्रयास करते हैं ,यह ज्यादातर भीड़भाड़ वाले इलाकों में जैसे रेलवे स्टेशन बस स्टैंड रेल रेल पटरियों वायुयानो का अपहरण निर्दोष लोगों को बंदी बनाना बैंक में डकैतियां कर समाज में अराजकता तथा वैमनस्यता फैलाने का काम करते हैं। भारत में नक्सलवाद तो मूल रूप से पश्चिम बंगाल के नक्सल वाली क्षेत्र से पनपा है, जो पूरे भारत में धीरे-धीरे फैल कर हिंसक रूप अपनाए हुए हैं। आतंकवाद केवल भारत में न होकर उसका साम्राज्य वैश्विक स्तर पर भी दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से फैला हुआ है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद ने अनेक घटनाओं को जन्म देकर विश्व शांति सद्भावना की मूल कल्पना को छिन्न-भिन्न करने का प्रयास किया है। दुनिया के प्रत्येक देश में आतंकवाद किसी न किसी रूप में आज मौजूद है। आतंकवाद कहीं रंगभेद, कहीं भाषा विभेद, कहीं राजनीतिक विचारधाराओं में विरोध और कहीं रंगभेद के कारण,नस्ली समस्या आतंकवाद का कारण बनी है। यह समस्याएं हथियारों से सुलझाने के प्रयास में अत्यंत हिंसक बन गई हैं। आतंकवाद को वृहद रूप देने में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी ने भी बड़ा साथ दिया है, आतंकवादियों, नक्सलवादियों और नस्ल वादियों के लिए रसायनिक, नाभिकीय, जैविक मानव बम जैसे आधुनिक हथियार उपलब्ध होने से यह आतंकवादी गतिविधियां और भी खतरनाक हो गई है। इसके अलावा मीडिया में इंटरनेट उपलब्धता से यह सारी सरकारी गतिविधियों की जानकारी प्राप्त हो जाती है इससे आतंकवादी और ज्यादा खतरनाक साबित हो रहे हैं। विश्व में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर 11 सितंबर 2001 आतंकवादी हमला मानव इतिहास की सबसे क्रूर तम हमला माना जाता है। पाकिस्तान के पेशावर जिले में आर्मी स्कूल में 150 मासूम बच्चों की निर्मम हत्या भी एक क्रूर आतंकवादी घटना है। भारत में 1993 में मार्च में श्रृंखलाबद्ध बम विस्फोट इसी तरह दिसंबर 2001 में संसद भवन पर हमलावाराणसी बम विस्फोट, अहमदाबाद में बम विस्फोट, 2008 में मुंबई ताज होटल पर हमला,2016 में पठानकोट एयरबेस हमला, 2017 में अमरनाथ तीर्थयात्रियों हमला, 2019 में पुलवामा हमला आतंकवादी घटनाएं हैं जिससे मानवीय संवेदनाएं, शांति स्थापना की मूल धारणा की धज्जियां उड़ जाती है। भारत में तो नक्सलवाद भी आतंकवाद का एक वृहद रूप ले चुका है। आतंकवाद का सबसे भयानक रूप यह है की कोई भी देश यह नहीं जानता कि आतंकवाद का अगला निशाना कौन सा देश और कौन सी इमारत, रेलवे स्टेशन, वायुयान और कौन सा धार्मिक स्थल होगा' वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के खिलाफ असुरक्षा की भावना पूरी तरह व्याप्त हो चुकी है। आतंकवाद का सबसे विस्तृत और भयानक रूप अफगानिस्तान में सरकार का तख्तापलट का ही है। वहां तालिबानी आतंकवादियों द्वारा सरकार को गिरा कर अफगानिस्तान देश पर जाकर वहां शासन स्थापित कर लिया था, और पूरी दुनिया तमाशबीन बनी रही। रूस यूक्रेन युद्ध मैं भी लाखों लोगों की आक्रमण कर हिंसक हत्या तानाशाही तथा मानसिक आतंकवाद का ही एक भयानक रूप है। पूरे विश्व में आतंकवाद के खिलाफ भारत सहित अनेक कानून बनाए गए एवं उन पर अमल भी किया जा रहा है। पर आतंकवाद को समूल नष्ट करने के लिए आतंकवादी विचारधारा को ही समूल रूप से नष्ट करना होगा, क्योंकि आतंकवाद कोई तात्कालिक कारणों से पैदा नहीं होता,यह एक घिनौनी, हिंसक आतंक पैदा करने वाली विचारधारा है। अशांति की इस विचारधारा में जन समुदाय में रोश तथा खौफ पैदा कर दिया है और यह मानवता के लिए अभिशाप की तरह व्याप्त हो गया है। जिससे विश्वव्यापी वैश्विक शांति की अवधारणा को नष्ट कर दिया है। वैसे तो पूरे विश्व में आतंकवाद के खिलाफ प्रयास किए जा रहे हैं पर हर देश के हर नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि इस विचारधारा और इनकी गतिविधियों पर नजर रख इसे समूल नष्ट करने का प्रयास किया जाना चाहिए।

विश्व वसुंधरा दिवस पर शिरगांव समुद्र तट पर स्वच्छता अभियान आयोजित

पालघर (उत्तरशक्ति / अजीत सिंह)। विश्व वसुंधरा दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन पालघर की ओर से 22 अप्रैल 2025 की शाम को शिरगांव समुद्र तट पर भव्य स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत जिलाधिकारी डॉ. इंदूराणी जाखर व मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे की प्रमुख उपस्थिति में संपन्न हुआ।

इस अभियान के तहत समुद्र तट पर फैले प्लास्टिक कचरे का संग्रहण किया गया और पर्यावरण के प्रति जनजागरण किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र शिंदे, जिला ग्रामीण विकास यंत्रणा की प्रकल्प संचालक रूपाली सातपुते, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी इजाज शेख व चंद्रशेखर जगताप, महिला व बाल कल्याण अधिकारी प्रवीण भावसार, स्वच्छता प्रकल्प संचालक अतुल पारसकर, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी, वित्त व लेखा अधिकारी धनराज पांडे, कृषि अधिकारी पिंजारी समेत जिला परिषद के कर्मचारी, शिरगांव ग्रामपंचायत सदस्य और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। इस स्वच्छता अभियान में महाराष्ट्र प्रदूषण

जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड़ ने चलाया स्वच्छता अभियान

नियंत्रण मंडल के स्वच्छता यंत्रों का उपयोग कर समुद्र तट की सफाई की गई। इसके पश्चात उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों ने स्वयं श्रमदान कर प्लास्टिक व अन्य कचरे का संग्रहण किया। जिलाधिकारी डॉ. इंदूराणी जाखर ने शिरगांव के स्थानीय दुकानदारों से संवाद करते हुए समुद्र तट पर प्लास्टिक उत्पादों की बिक्री न करने का अनुरोध किया।

उन्होंने पर्यटकों से अपील की कि वे प्लास्टिक कचरा समुद्र तट पर न फेंकें और इसके लिए निरंतर जनजागरण एवं सख्त अमल की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पूरे जिले में प्लास्टिकबंदी को प्रभावी रूप से लागू किया जाएगा। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने बताया कि जिले की 473 ग्राम पंचायतों में चल रहे स्वच्छता अभियानों से एकत्रित प्लास्टिक कचरे को स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज-2 के तहत तहसील स्तर पर स्थापित प्लास्टिक कचरा प्रबंधन प्रकल्पों में भेजा जाएगा। जहां यह प्रकल्प उपलब्ध नहीं हैं, वहां स्थानीय पुनर्विक्रेताओं के माध्यम से कचरे का निपटान किया जाए। तहसील स्तर पर भी इसी तरह के स्वच्छता अभियान चलाकर कचरे का संग्रहण किया गया। यह अभियान स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और प्रशासन व जनता के संयुक्त प्रयास का आदर्श उदाहरण बना।

पीओके पर तुरंत हमला करना चाहिए: प्रदीप शर्मा

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय माफियाओं को देश पर बुरी नजर रखने वाले दहशतगर्दों का सफाया करने वाले जांबाज पूर्व पुलिस एनकाउंटर स्पेशलिस्ट प्रदीप शर्मा ने कश्मीर के पहलगाम में घटित घटना की घोर निंदा करते हुए कहा कि केंद्र सरकार को तुरंत पीओके पर हमला बोल देना चाहिए। जरा सा भी विलंब अब नही करना चाहिए। बुलेट का जवाब केवल बुलेट है। शर्मा ने लोगों के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए गुस्सा व्यक्त करते हुये कहा कहा कि अब बुलेट का जवाब बुलेट अर्थात गोली का उत्तर गोली के शिवाय दूसरा कोई विकल्प शेष नही है। और इस समय इनके आकाओं का नामोनिशान मिटा देना चाहिए। जिससे आने वाली इनके नस्लों के सामने मिशाल कायम हो सके।

अब तक इन देश के दुश्मनों का कोई धर्म नही था परंतु पहलगाम जम्मू कश्मीर में लोगों से धर्म पूछकर मार दिया। और अपने समुदाय को एकजुट होने का प्रत्यक्ष रास्ता दिखा रहे है। अब हिंदुस्तान के लोगों को एक जुट होकर इसका भयंकर उत्तर देना चाहिए।

एस व्ही फाउंडेशन ने पहलगाम में हिंदुओं पर किए गए हत्या का किया विरोध प्रदर्शन

ठाणे (उत्तर शक्ति)। वसंत विहार ठाणे पश्चिम में एस व्ही फाउंडेशन के माध्यम से पहलगाम हिंदुओं पर किए गए आतंकवादियों के निर्दयतापूर्वक हत्या का विरोध प्रदर्शन किया गया। इस देश के हिंदू पर्यटकों के साथ जिस प्रकार से वारदात की गई है यह कहीं मानवता के खिलाफ हुआ है। आज जहां भारत अखंड भारत का सपना देख रहा है अपने दिलों में अखंड भारत का सपना सजोए बैठा है वहीं पहलगाम में हुए हत्या में पाकिस्तानी आतंकवादियों का पूरा हाथ है। पाकिस्तान सदैव भारत मे इस तरह की वारदात करने के लिए आतंकवादियों को प्रोत्साहित करता है। एस व्ही फाउंडेशन के तहत ठाणे में इसका कड़ा विरोध किया गया तथा जल्द से जल्द आतंकवादियों को कड़ी सजा दिलाने की मांग भी की गई। पाकिस्तान के साथ संबंध खत्म करने की भी आवाज जोरों से उठाई गई।आए दिन हमारे देश के सैनिक एवं मासूम पर्यटकों की हत्या होती रहती है। फाउंडेशन के संचालक रतन मिश्रा ने कहा है इस दुखद घटना पर दुख जताया है। वसंत विहार में लगभग 40 से 50 युवाओं ने इसका कड़ा विरोध किया है। इस अवसर पर वशिष्ठ नारायण मिश्रा, अभिषेक मिश्रा, आशीष गिरी, शुभम द्विवेदी, तेजस घोलक, सूरज मिश्रा, अनिल यादव, जितेंद्र गिरी, निखिल मिश्रा, नागेश मिश्रा एवं मानपाडा चितल शहर थाणे पुलिस प्रशासन ने भी सहयोग किया।

स्व.चंद्रशेखर आर शुक्ल की शोक सभा घाटकोपर पूर्व में 26 अप्रैल को

मुंबई (उत्तरशक्ति)। श्री रामलीला उत्सव समिति के पूर्व अध्यक्ष व प्रमुख मार्गदर्शक एवं लोकाधिकार सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे हम सब के अभिभावक हजारों गरीब कन्याओं का विवाह कराने वाले बड़े भाई स्व.चन्द्रशेखर आर शुक्ल का गत दिनों आकस्मिक निधन हो गया था ।जिनकी शोक सभा (श्रद्धांजलि) उनके ज्येष्ठ सुपुत्र समिति के अध्यक्ष प्रभाकर शुक्ल रिंकू और छोटे सुपुत्र प्रशांत शुक्ल एवं ब्लॉक प्रमुख राहुल शुक्ल के संयोजन में दिनांक 26 अप्रैल दिन शनिवार को लायंस क्लब ऑफ घाटकोपर प्लॉट न.ई 93 गरोडीया नगर घाटकोपर पूर्व मुंबई में शाम 4. बजे से 6 बजे तक आयोजित किया गया है। समिति के सचिव दिवाकर मिश्र,कोषाध्यक्ष एस पी सिंह और समिति के आदेश मिश्र ने समस्त शुभचिंतको, समर्थकों तथा समिति के सभी पदाधिकारियों से विनम्र अपील कि है कि आप सब शोक सभा में उपस्थित होकर स्वर्गीय श्री शुक्ल जी को श्रद्धांजलि अर्पित करें।

शिक्षा, खेल और चिकित्सा में सर्व प्रजापति शक्ति ट्रस्ट का योगदान

मुंबई(उत्तरशक्ति)। देश भर में सामाजिक कल्याण के लिए कार्यरत संस्थाओं की लंबी सूची में सर्व प्रजापति शक्ति ट्रस्ट एक प्रमुख नाम बनकर उभरा है। मुंबई से संचालित यह संस्था शिक्षा, चिकित्सा और खेल के क्षेत्र में जरूरतमंदों को सहारा देने का सराहनीय कार्य कर रही है। संस्था के संस्थापक अजय प्रजापति, डॉ. अरुण कुमार प्रजापति, इंद्रजीत प्रजापति, विनोद कुमार प्रजापति सहित कई समर्पित कार्यकर्ता इस अभियान को निःस्वार्थ भाव से आगे बढ़ा रहे हैं। अप्रैल 2025 में अब तक छह से अधिक लोगों को लाखों रुपये की सहायता प्रदान की जा चुकी है। उदाहरणस्वरूप, दिल्ली की कुसुम देवी और आदर्श प्रजापति को चिकित्सा सहायता, लकी प्रजापति को स्वास्थ्य सहायता, गाज़ियाबाद की नव्या प्रजापति और मेरठ की शिवानी प्रजापति को शैक्षिक सहयोग तथा बिहार के धीरज पंडित को खेल क्षेत्र में प्रोत्साहन प्रदान किया गया है। इसके अलावा, मुंबई की अग्नि पीड़ित विंध्याचल प्रजापति को विशेष आर्थिक सहायता भी दी गई। इस संस्था की विशेषता इसकी पारदर्शिता है। संस्था में प्राप्त होने वाले सभी अनुदान अधिकृत बैंक खाते में जमा होते हैं और जरूरतमंदों को सीधे चेक के माध्यम से सहायता दी जाती है। प्रत्येक सहयोग की जानकारी व्हाट्सएप ग्रुप और सोशल मीडिया पर साझा की जाती है, जिससे हर गतिविधि में पूर्ण पारदर्शिता बनी रहती है। सर्व प्रजापति शक्ति ट्रस्ट में अलोक, अरुण, बच्चेलाल, लोकनाथ, राजेश, पियूष, रविंद्रनाथ, गोविंद, मुकेश, रविंद्र, अरविंद जैसे सैकड़ों सक्रिय सदस्य हैं, जो स्वेच्छा से संस्था को सहयोग प्रदान कर रहे हैं। यह ट्रस्ट न केवल एक संस्था है, बल्कि समाज सेवा की एक ऐसी विचारधारा बन चुकी है जिससे लोग स्वेच्छा से जुड़ते जा रहे हैं। देश के विकास में सामाजिक संस्थाओं का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है और सर्व प्रजापति शक्ति ट्रस्ट इसका जीवंत उदाहरण है।

महिंद्रा हॉलिडेज ने शुरू की एक क्रांतिकारी कौशल विकास और आजीविका पहल

मुंबई। महिंद्रा हॉलिडेज एंड रिसॉर्ट्स इंडिया लिमिटेड ने देश भर में महिंद्रा समुदायों (कम्युनिटी) के बीच और रिसॉर्ट में एक क्रांतिकारी कौशल विकास और आजीविका सृजन कार्यक्रम शुरू करने के लिए द जॉब प्लस के साथ गठजोड़ किया है। यह पहल तेजी से विस्तृत होते आतिथ्य क्षेत्र के लिए भविष्य के लिए तैयार, समावेशी कार्यबल तैयार करने के दृष्टिकोण के अनुरूप है।यह कार्यक्रम स्थानीय युवाओं को उद्योग-संबंधित कौशल से सशक्त करेगा और आतिथ्य क्षेत्र में प्रत्यक्ष रोजगार प्रदान करेगा। महिंद्रा राइज दर्शन - 'अधिक समतावादी दुनिया के लिए जागें' के अनुरूप है और यह कार्यक्रम हमारे समुदायों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। इसके अलावा, यह साझेदारी रणनीतिक रूप से वित्त वर्ष 30 तक अपनी कमरे की क्षमता को दोगुना कर 10,000 करने के एमएचआरआईएल के दीर्घकालिक दृष्टिकोण का समर्थन करती है।

पालकमंत्री गणेश नाईक के हाथों पालघर में प्लास्टिक कचरा प्रबंधन प्रकल्प का उद्घाटन

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के मनोर गांव में गुरुवार 24 अप्रैल 2025 को स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) चरण-2 के अंतर्गत तहसील स्तरीय प्लास्टिक कचरा प्रबंधन प्रकल्प का उद्घाटन महाराष्ट्र राज्य के वन मंत्री और पालघर के पालकमंत्री गणेश नाईक के करकमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर पालघर के सांसद डॉ. हेमंत सवरा, विधायक हरिश्चंद्र भोये, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी चंद्रशेखर जगताप, जल एवं स्वच्छता परियोजना संचालक अतुल पारसकर, गट विकास अधिकारी बापूराव नाले सहित

स्वच्छ, सुंदर व प्लास्टिक मुक्त पालघर का लिया संकल्प

अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस अत्याधुनिक प्रकल्प में डस्टर सिग्रिगेटर, श्रेडर, बैलेर और वजन काटा जैसी आधुनिक मशीनें लगाई गई हैं, जिनके माध्यम से प्रतिदिन 500 किलोग्राम प्लास्टिक कचरे की पर्यावरण अनुकूल प्रक्रिया की जाएगी। इस परियोजना के अंतर्गत ग्रामपंचायतों के माध्यम से स्थानीय महिलाओं को प्रशिक्षण देकर रोजगार के अवसर भी प्रदान किए जाएंगे। पालकमंत्री गणेश नाईक ने मशीनों की कार्यप्रणाली का निरीक्षण करते हुए इसका प्रत्यक्ष प्रात्यक्षिक भी देखा। उन्होंने कहा कि, ह्लप्लास्टिक मुक्त, दुर्गंध मुक्त और स्वच्छ सुंदर पालघरह्व का हमारा संकल्प अब धरातल पर उतर रहा है। ज्ञात हो कि जिले में 22 अप्रैल (विश्व पृथ्वी दिवस) से 24 अप्रैल तक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसमें 473 ग्रामपंचायतें, 5 नगरपंचायतें और 3 नगरपालिका क्षेत्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मनोर के सरपंच चेतन पाटील, ग्रामपंचायत अधिकारी नितिन पवार, विस्तार अधिकारी विनोद पाटील, आर. एल. पाटील तथा अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे।

कैंडल मार्च निकालकर हमले में मारे गए निर्दोष नागरिकों को श्रद्धांजलि

पाकिस्तान को दिया जाए मुंहतोड़ जवाब - महेश गायकवाड़

कल्याण(उत्तरशक्ति)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इस कायराना हमले में 26 निर्दोष नागरिकों की जान चली गई। देशभर में इस हमले को लेकर जबरदस्त आक्रोश देखने को मिल रहा है।

सरकार से मांग की जा रही है कि आतंकियों और पाकिस्तान को अब मुँहतोड़ जवाब दिया जाए।

इसी कड़ी में गुरुवार को कल्याण पूर्व के खडेगोलवली में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। इस विरोध प्रदर्शन के दौरान नागरिकों ने कैंडल मार्च निकालकर हमले में मारे गए निर्दोष नागरिकों को श्रद्धांजलि दी। मार्च में शामिल लोगों ने पाकिस्तान के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और हमले की तीव्र निंदा की। इस विरोध प्रदर्शन में पूर्व नगरसेवक महेश गायकवाड के साथ महादेव रायभोले, पूर्व उपमहापौर उमेश म्हात्रे, युवासेना के मधुर म्हात्रे महिला आघाड़ी की कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में आम नागरिक मौजूद थे।

नागरिक सुविधाओं को लेकर सांसद संजय दीना पाटिल ने नाराजगी जताई

मुंबई (उत्तरशक्ति)। सांसद संजय दीना पाटिल ने उत्तर पूर्व मुंबई लोकसभा क्षेत्र में विभिन्न नागरिक सुविधाओं के संबंध में मुंबई महानगरपालिका आयुक्त भूषण गगरानी से मुलाकात की। बता दें कि विक्रोली पार्क साइट की 1 से 28 मनपा इमारतों का पुनर्विकास, परियोजना से प्रभावित लोगों का पुनर्वास, सड़क चौड़ीकरण और बढ़ती यातायात समस्या, इसी तरह उत्तर पूर्व मुंबई में अस्पतालों और प्रसूति गृहों में असुविधा, कांजुर और देवनार डंपिंग ग्राउंड से नागरिकों को होने वाली समस्याएं, पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को कम दबाव में पानी की आपूर्ति जैसे विभिन्न समस्याओं से आयुक्त को अवगत कराया। इस बैठक में नागरिकों की समस्याओं, विकास कार्यों में आने वाली बाधाओं, मूलभूत आवश्यक सेवाओं जैसे कई मुद्दे आयुक्त के समक्ष रखे गए। इस अवसर पर विभाग प्रमुख रमेश कोरगांवकर, राकांपा मुंबई अध्यक्ष राखी जाधव और उत्तर पूर्व मुंबई के प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित थे। इस दौरान विक्रोली पार्क साइट की मनपा इमारतों 1 से 28 के पुनर्विकास के साथ-साथ स्थानीय निवासियों को अन्य स्थानों पर पुनर्वासित करने पर भी चर्चा हुई। सांसद संजय दीना पाटिल ने आयुक्त को पुनर्वास के दौरान उन्हें समुचित नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। आयुक्त को उत्तर-पूर्व मुंबई में सड़क चौड़ीकरण और यातायात की भीड़, अस्पतालों की खराब स्थिति, कर्मचारियों की कमी, प्रसूति गृहों में असुविधा, इसके कारण मरीजों की दुर्दशा, श्मशान घाट, के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही इस क्षेत्र में कोई खेल परिसर न होने के कारण इसके निर्माण के संबंध में निर्णय लेने के निर्देश दिए। डंपिंग ग्राउंड की समस्याएं, आश्रय योजनाएं, कचरा, शौचालय की समस्याएं भी उठाई गई। सांसद संजय दीना पाटिल ने ऐसी कई समस्याओं के संबंध में मनपा आयुक्त भूषण गगरानी को एक ज्ञापन सौंपा। आयुक्त ने सभी मांगों के प्रति सकारात्मकता दिखाई।

शिवसेना नेता विक्रम प्रताप सिंह की रेल मंत्री से मांग, मुंबई से जौनपुर तक चले वंदे भारत ट्रेन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई और आसपास के शहरों में बड़ी संख्या में जौनपुर के लोग रहते हैं। पर्याप्त रेल सुविधा नहीं होने के कारण वहां के लोगों को अनेक प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। जौनपुर के लोगों की लंबित मांग को देखते हुए शिवसेना, मीरा भायंदर विधानसभा प्रमुख विक्रम प्रताप सिंह ने आज शिवसेना सांसद नरेश मस्के के साथ पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अरविंद मिश्रा को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के नाम ज्ञापन देकर वंदे भारत ट्रेन चलाने की मांग की। साथ ही उन्होंने राजस्थान जाने वाली ट्रेनों को भायंदर स्टेशन पर ठहराव करने की भी मांग की। पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक के साथ की गई बैठक में उन्होंने मीरा रोड स्टेशन तथा भायंदर स्टेशन पर यात्रियों को हो रही सुविधाओं की भी चर्चा की। इस अवसर पर शिवसेना जिला अध्यक्ष राजू भोईर तथा कपिल परमार भी उपस्थित रहे। इस बारे में पत्रकारों से बात करते हुए विक्रम प्रताप सिंह ने कहा कि जौनपुर तक वंदे भारत ट्रेन चलने से जौनपुर के साथ-साथ निकटवर्ती जिलों में रहने वाले लाखों मुंबई वासियों को फायदा होगा। वर्तमान में जौनपुर के लिए सीधी तीव्र और आधुनिक रेल सेवा का अभाव है। जो ट्रेन हैं , उनसे यात्रा करने पर 28 से 30 घंटे लगते हैं। विशेष कर त्योहार और छुट्टियों के मौसम में टिकट मिलना अत्यंत मुश्किल हो जाता है। उन्होंने कहा कि अयोध्या और वाराणसी के बीच स्थित जौनपुर तक वंदे भारत ट्रेन चलने से पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं महिला बाल विकास आयोग का 30 अप्रैल को मुंबई में होगा राष्ट्रीय अधिवेशन व सम्मान समारोह

मुंबई(उत्तरशक्ति)। देश के अग्रणी सामाजिक संगठन राष्ट्रीय मानवाधिकार एवम् महिला बाल विकास आयोग द्वारा आगामी 30 अप्रैल 2025 को मुंबई में राष्ट्रीय अधिवेशन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन मानवाधिकार, महिला एवं बाल विकास के क्षेत्र में कार्यरत संगठनों और व्यक्तियों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच सिद्ध होगा।

इस कार्यक्रम में देशभर से समाजसेवी, अधिवक्ता, शिक्षक, पत्रकार, पुलिस अधिकारी, एनजीओ प्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी एकत्रित होंगे। आयोजन का उद्देश्य है–मानवाधिकार, महिला-सुरक्षा और बाल-कल्याण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित करना, साथ ही समकालीन सामाजिक विषयों पर विचार-विमर्श करना। आयोग के मुख्य महासचिव डॉ. रवीन्द्र मिश्र ने जानकारी दी कि इस समारोह में राष्ट्रीय मानवाधिकार रक्षक सम्मान, नारी शक्ति सम्मान, बाल अधिकार प्रेरणा पुरस्कार और सामाजिक न्याय अलंकरण जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इस अधिवेशन के दौरान मानवाधिकारों के उल्लंघन, महिला उत्पीड़न, बाल शोषण, विधिक जागरूकता, घरेलू हिंसा, साइबर अपराध, और बाल विवाह जैसे गंभीर मुद्दों पर विशेषज्ञ पैनल चर्चा करेंगे। वरिष्ठ अधिवक्ता, सामाजिक वैज्ञानिक, पूर्व न्यायधीश, और पत्रकार इन विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे।

कार्यक्रम स्थल पर आयोग की उपलब्धियों, केस स्टडीज, और जनजागरूकता संबंधी प्रदर्शनियों के साथ-साथ बच्चों एवं युवाओं द्वारा तैयार सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी होंगी। नारी शक्ति और बाल सुरक्षा पर आधारित नाटक, कविता पाठ और लोकनृत्य आयोजन के सांस्कृतिक पक्ष को सशक्त बनाएंगे। इस मौके पर आयोग द्वारा नई डिजिटल हेल्पलाइन सेवा, मानवाधिकार प्रशिक्षण कार्यक्रमों की रूपरेखा, और आगामी कार्ययोजनाओं की भी घोषणा की जाएगी। कार्यक्रम में केंद्र व राज्य के अधिकारी, विधिक संस्थानों के प्रतिनिधि, महिला आयोग की पूर्व सदस्य, सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के अधिवक्ता, तथा अनेक प्रतिष्ठित हस्तियों की उपस्थिति सुनिश्चित की गई है। कार्यक्रम में भाग लेने के इच्छुक प्रतिनिधि, संस्थाएं एवं समाजसेवी आयोग की वेबसाइट या संबंधित राज्य समन्वयकों से संपर्क कर सकते हैं। पंजीकरण हेतु पहचान-पत्र, प्रोफाइल एवं संपर्क विवरण आवश्यक हैं।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

जफराबाद में पिकअप लूटकांड का पुलिस ने किया खुलासा, मुख्य साजिशकर्ता अब भी फरार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद कस्बे के बाईपास क्षेत्र में 17 अप्रैल की रात हुई सनसनीखेज पिकअप लूटकांड का गुरुवार को पुलिस ने खुलासा कर दिया। एसपी सिटी आयुष श्रीवास्तव ने जफराबाद थाने में आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि घटना में संलिप्त एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि मुख्य आरोपी दिलशाद अभी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है।पुलिस के अनुसार, लूट की इस साजिश को अंजाम देने की पूरी पटकथा दिलशाद और उसके सहयोगी सलमान उर्फ साहिल ने मिलकर लिखी थी। गिरफ्तार आरोपी सलमान शाहगंज का निवासी है, जो घटना वाले दिन पिकअप की रेकी कर रहा था। वह लगातार गोतस्कर दिलशाद को पिकअप की गतिविधियों की जानकारी देता रहा।एसपी सिटी ने बताया कि मुख्य आरोपी दिलशाद ने अपने तीन अन्य साथियों के साथ मिलकर इस लूटकांड को अंजाम दिया। पुलिस की टीमें लगातार जनपद जौनपुर और पड़ोसी जनपद आजमगढ़ में दबिश दे रही थीं। इसी दौरान पुलिस ने तकनीकी सर्विलांस और खुफिया सूचना के आधार पर सलमान को बेलांव पुल के पास जंगल से धरदबोचा।लूट में प्रयुक्त वाहन स्कॉर्पियो भी पुलिस ने बरामद कर लिया है। पूछताछ में पता चला है कि यह स्कॉर्पियो किसी अन्य व्यक्ति की है, जिसे कुछ पैसे देकर दिलशाद ने इस्तेमाल के लिए लिया था। पुलिस ने लूटी गई पिकअप को भी बरामद कर लिया है।इस मामले का खुलासा करने में प्रभारी निरीक्षक जयप्रकाश यादव, एसओजी प्रभारी रामजनम यादव, उपनिरीक्षक मनोज कुमार राय और सर्विलांस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश कर दिया गया है।पुलिस अब मुख्य आरोपी दिलशाद की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। लूटकांड की इस गुत्थी को सुलझाने के बाद पुलिस को उम्मीद है कि जल्द ही मुख्य साजिशकर्ता भी सलाखों के पीछे होगा।

मिड डे मील में घोटाला: चार सौ ग्राम पाउडर दूध में 70 बच्चों को दिया जा रहा है खीर

ग्राम प्रधान और ग्रामीणों ने लगाए गंभीर आरोप, शिक्षा विभाग बेपरवाह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। करंजाकला विकासखंड स्थित प्राथमिक विद्यालय मंगदपुर में मिड डे मील योजना के नाम पर खुलेआम भ्रष्टाचार का खेल चल रहा है। विद्यालय में पढ़ रहे बच्चों को गुणवत्तापूर्ण भोजन देने की बजाय उन्हें खाना के नाम पर छलावा दिया जा रहा है। बच्चों के अभिभावकों और ग्राम प्रधान ने विद्यालय प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि बच्चों को न समय से भोजन मिल रहा है और न ही निर्धारित पोषण सामग्री।

प्रधान राज कुमार सोनकर ने आरोप लगाया कि विद्यालय में बच्चों को जो खीर दी जाती है।उसमें दूध और चीनी की मात्रा इतनी कम होती है कि उसका स्वाद भी खीर जैसा नहीं होता। दाल में पानी इतना अधिक होता है कि वह केवल चावल के ऊपर गिरा चावल का पानी लगती है। यहां तक कि खीर बनाने के लिए मात्र चार सौ ग्राम के पाउच से 70 बच्चों में बाँट दिया जाता है, जिससे पोषण का कोई लाभ बच्चों को नहीं मिल पाता।बच्चों ने बताया कि जब वे खाना माँगते हैं तो रसोई में कार्यरत महिलाएं उन्हें डांट देती हैं और कहती हैं कि खाना खत्म हो गया। दूसरी बार खाना माँगना यहाँ जैसे गुनाह बन चुका है। मौसमी फल की बात करें तो महीने में केवल एक बार एक केला या फिर दो-तीन अंगूर ही बच्चों को थमा दिए जाते हैं, जिससे मिड डे मील योजना की वास्तविक मंशा ही कुचल दी गई है। जब इन गंभीर आरोपों की जानकारी परिजनों ने ग्राम प्रधान को दी, तो ग्राम प्रधान स्वयं विद्यालय पहुँचकर स्थिति का जायजा लेने पहुँचे। प्रधानाध्यापक से जब उन्होंने बच्चों के भोजन और पोषण की व्यवस्था की जानकारी माँगी, तो प्रधानाध्यापक ने न केवल जवाब देने से इनकार किया बल्कि दबंगई पर उतर आए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, 'आप जहाँ चाहें शिकायत कर लें, कोई मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकता। अधिकारी भी मेरा कुछ नहीं कर पाएंगे।'

प्रधान ने बताया कि उन्होंने तत्काल खंड शिक्षा अधिकारी श्रवण कुमार से इस विषय में शिकायत दर्ज कराई, लेकिन हैरानी की बात है कि अब तक कोई जांच या कार्रवाई नहीं हुई। इससे साफ जाहिर होता है कि शिक्षा विभाग भी इस भ्रष्टाचार में या तो आंख मूंदे बैठा है या कहीं न कहीं से संरक्षण मिल रहा है।शिक्षा विभाग की लापरवाही और विद्यालय प्रशासन की मनमानी के चलते मिड डे मील योजना की साख पर सवाल खड़े हो गए हैं। जहां यह योजना बच्चों के पोषण और उनके बेहतर स्वास्थ्य के लिए चलाई जाती है, वहीं मंगदपुर विद्यालय में यह योजना बच्चों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ का माध्यम बन चुकी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही इस मामले में उच्चस्तरीय जांच कर कार्रवाई नहीं की गई तो वे सामूहिक रूप से जिला अधिकारी और मुख्यमंत्री तक अपनी बात पहुँचाएंगे। यह मामला सिर्फ विद्यालय स्तर तक सीमित नहीं है, यह बच्चों के भविष्य और स्वास्थ्य से जुड़ा सवाल है, जिसे अनदेखा करना समाज और सरकार दोनों के लिए गंभीर परिणाम लेकर आ सकता है।

खंड शिक्षा अधिकारी करंजाकला श्रवण कुमार से संपर्क किया तो उन्होंने कहा कि मैं मीडिया से बात नहीं करूंगा।

पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में अहिप व राबद ने प्रधानमंत्री को भेजा ज्ञापन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)।अन्तरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद, राष्ट्रीय बजरंग दल सहित सभी आयामों ने पहलगाम में हुये हृदय विदारक घटना के विरोध में प्रधानमंत्री भारत सरकार को जिलाधिकारी जौनपुर के माध्यम से ज्ञापन सौंपा। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों द्वारा हिन्दू पर्यटकों का नाम एवं धर्म पूछ करके गोली मारकर की गयी निर्मम हत्या से सम्पूर्ण देश

आतंकी घटना को अंजाम देने वालों को फांसी हो: अजय पाण्डेय

आहत, मर्माहत एवं आक्रोशित है। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में तो कभी पहलगांव में आतंकियों एवं जेहादियों का मनोबल बढ़ रहा है। भारत सरकार इस पर कड़ाई से कार्रवाई करे और ईंट का जवाब पत्थर से देने का कार्य करे। सेना को खुली छूट दे।ताकि देश के अंदर घटित हो रही हिंसक घटनाओं पर तत्काल रोक लग सके।इस मौके पर अहिप जिलाध्यक्ष अजय पाण्डेय ने कहा कि उक्त घटना में शामिल सभी आतंकवादियों को शीघ्र गिरफ्तार कर कठोरतम दण्ड (मृत्युदण्ड) दिया जाय। जम्मू-कश्मीर में हिन्दू यात्रियों व पर्यटकों की सुरक्षा के लिये स्थायी व प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाय। मृतकों के परिवारों को उचित आर्थिक सहायता एवं एक परिजन को सरकारी सेवा प्रदान की जाय। समस्त धार्मिक स्थलों और यात्राओं की सुरक्षा हेतु एकीकृत राष्ट्रीय सुरक्षा नीति बनाई जाय। धार्मिक आधार पर

की गई किसी भी हिंसा को राष्ट्रद्रोह की श्रेणी में लाकर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाय। पाण्डेय ने कहा कि पहलगाम में हुई खूनी कोहराम मचाने वाले आतंकियों ने जो कृत्य किया। वह अक्षम्य है। धर्म पूछकर गोली मारना या नफरती आग फैलाना दरिंदगी है। कश्मीर से पुनः पलायन कराने के लिये पाकिस्तान की सह पर आतंकियों ने जो खेल खेलना शुरू किया है। उस पर सरकार को कड़ा रुख अख्तियार करके इनके फामूर्ले के साथ ही ऐसे आतंकियों का सफाया कर देना चाहिए। बीते 22 अप्रैल की यह घटना देश को झकझोर करके रख दिया है। पूरा देश आज भारतीय सेना के साथ है जिससे उन दरिंदों को ऐसा जवाब सेना द्वारा दिया जाना चाहिए जिससे भारत ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व में छिपी इनकी नस्ल ही खत्म हो जाय।इस अवसर पर प्रभाकर तिवारी प्रान्त उपाध्यक्ष हिन्दू एडवोकेट फोरम, राकेश श्रीवास्तव विभागाध्यक्ष अहिप, चन्द्र प्रकाश तिवारी विभाग महामंत्री, रूद्र प्रताप श्रीवास्तव विभाग उपाध्यक्ष, सुधीर कुमार जिला मंत्री, सचिन श्रीवास्तव जिला मंत्री, प्रमोद चौहान अध्यक्ष सोंधी, चन्द्रभान सिंह, सूरज अग्रहरि, संजय प्रजापति, चन्द्रभूषण दुबे विभाग उपाध्यक्ष, जितेन्द्र बहादुर सिंह जिलाध्यक्ष राष्ट्रीय बजरंग दल सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने सिविल सर्विसेज सेवा परीक्षा-2024 में चयनित अभ्यर्थी तथा उनके परिजनों को अंगवस्त्रम और पुष्पगुच्छ देकर किया सम्मान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में सिविल सर्विसेज सेवा परीक्षा-2024 में चयनित अभ्यर्थी तथा उनके परिजनों को अंगवस्त्रम और पुष्पगुच्छ देकर सम्मान किया गया। जिलाधिकारी ने परीक्षा में 78वीं रैंक प्राप्त करने वाले अभिषेक सिंह को सम्मानित करते हुए कहा कि आने वाले समय में उत्कृष्ट कार्य करते हुए सफलता के शिखर को प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि मा. मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में जनपद में कृषि, स्वास्थ्य, खेल, उद्यम या प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी लोगों के सम्मान और उनकी सफलता की खुशी में जिला प्रशासन सदैव उनके साथ रहता है और उसी प्रकार जनपदवासियों के कष्ट की घड़ी में भी संवेदनशीलता के साथ हमेशा उनके साथ खडा.रहता है।यह बेहद खुशी की बात है कि प्रशासनिक सेवा में जनपद के कई अभ्यर्थियों ने सफलता अर्जित कर जनपद का नाम रोशन किया है।

जनपद जौनपुर के अनगिनत लोग सिविल सर्विसेज की परीक्षा पास कर बड़े-बड़े प्रतिष्ठित पदों को सुशोभित कर रहे हैं। आज चयनित अभ्यर्थियों को इस उद्देश्य से सम्मानित किया जा रहा कि अन्य छात्र-छात्राएं, जो प्रतियोगी परीक्षाओ की तैयारी कर रहे है अथवा सम्मिलित होने की तैयारी कर रहे है वे इनसे प्रेरणा ले और अधिक ऊर्जा के साथ मेहनत करे और सफलता प्राप्त करें। जिलाधिकारी ने जनपद के सभी उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की इस अवसर पर जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय चयनित अभ्यर्थियों के परिजन अखिलेश सिंह, पूनम सिंह, के0 के0 सिंह, सी0डी सिंह और प्रदीप सिंह, डा0 सुर्यप्रकाश सिंह मुन्ना, सहित अन्य उपस्थित रहे।

हमेशा गरीबों व असहाय लोगों की मदद करते रहते है ज्ञान प्रकाश सिंह

प्रतिनिधि शिवा सिह को डीएम ने किया सम्मानित

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर स्थित एनआईसी कक्ष में सबसे अधिक भूसा दान करने वाले समाजसेवियों और ग्राम प्रधानों को अंगवस्त्रम, पुष्पगुच्छ और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।इस दौरान उन्होंने विभिन्न गोशालाओं में सर्वाधिक भूसा दान करने वाले दानदाताओं को सम्मानित करते हुए बताया कि मुख्यमंत्री की प्रेरणा एवं मुख्य सचिव के कुशल निर्देशन में जनपद में निराश्रित गोवंशों के चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए समाजसेवियों, ग्राम प्रधानों व संभ्रांत और सक्षम लोगों से भूसा दान लेने का अभियान चलाया जा रहा है। जिसके क्रम में 4 दिन के भीतर जनपद में लगभग 7000 कुंतल भूसा दान द्वारा संग्रहित किया गया है। जनपद में दान के माध्यम से करीब 30000 कुंतल भूसा संग्रहण का लक्ष्य रखा गया है। जिसे इस महीने के भीतर पूर्ण कर लिया जाएगा। समाज सेवा के क्षेत्र में अग्रणी कार्य करने वाले ज्ञान प्रकाश सिंह जिनके द्वारा 251 कुंतल, उमाशंकर सिंह के द्वारा 30 कुंतल, गया प्रसाद अग्रहरी के द्वारा 30 कुंतल, जय हिंद के द्वारा 22 कुंतल और धर्मेंद्र यादव के द्वारा 15 कुंतल भूसा दान देने पर जिलाधिकारी द्वारा समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह के प्रतिनिधि शिवा सिंह और उमाशंकर सिंह, गया प्रसाद अग्रहरी, जय हिंद यादव और धर्मेंद्र यादव को सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार भूसा दान करने वाले लोगों को सम्मानित किया जाएगा।

जिलाधिकारी ने जनपद के सक्षम लोगों से अपील किया है कि इस पुनीत कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले और अधिक से अधिक भूसा दान करें जिससे जनपद के गौशालाओं में पर्याप्त मात्रा में चारे की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया,अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम अक्षयवर चौहान सहित अन्य उपस्थित रहें।

बनवासियों ने महिला को उतारा मौत के घाट, मचा हड़कम

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। केराकत कोतवाली क्षेत्र के डिहवा, डेढुवाना गांव में शराब के नशे में हुए विवाद ने एक महिला की जान ले ली। बुधवार रात डेढुवाना गांव में रहने वाली 55 वर्षीय नगीना देवी पत्नी बिकानू वनवासी की मौत उस समय हो गई जब वे शराब पीकर लड़ रहे लोगों के बीच बचाव करने पहुँचीं बताया गया है कि, वनवासी समुदाय के तीन मजदूर भोथु, मनोज और रमेश जो क्षेत्र के एक ईंट भट्ठे पर काम करते हैं, शराब पीने को लेकर आपस में उलझ गए।विवाद शराब के पैसे और उसके अनुसार कम या ज्यादा पीने को लेकर था। बहस इतनी बढ़ गई कि मारपीट शुरू हो गई। इसी दौरान बीच-बचाव करने पहुँची नगीना देवी के सिर पर डंडा लग गया जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन उन्हें तुरंत स्थानीय निजी अस्पताल ले गए, लेकिन इलाज के दौरान सुबह 4 बजे उनकी मौत हो गई। सुबह 5 बजे परिजनों ने पुलिस को घटना की जानकारी दी।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज मौके ए वारदात पर पहुंच जांच पड़ताल कर तीनो आरोपियों को गिरफ्तार करने के साथ ही मृतिका के परिजनों के तहरीर के आधार पर तीनो आरोपियों के खिलाफ गैर इरादतन मुकदमा पंजीकृत कर कार्यवाही ने जुट गई।

शाहगंज पुलिस ने शांति भंग में तीन को किया गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। डा0 कौस्तुभ पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर द्वारा जनपद मे अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे।अभियान के क्रम मे अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर आयुष श्रीवास्तव एवं क्षेत्राधिकारी शाहगंज अजीत सिंह चौहान के निर्देशन व निकट पर्यवेक्षण मे थाना शाहगंज पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक 24/04/2025 को थाना क्षेत्र के भिन्न-भिन्न स्थानों से शान्ति भंग के

दृष्टिगत अन्तर्गत धारा 170/126/135 बी एन एस एस में कुल 03 नफर आरोपियों को गिरफ्तार कर सम्बन्धित न्यायालय भेजा जा रहा है।

डिप्थीरिया से बचाव के लिए शुरू हुआ टीकाकरण

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। डिप्थीरिया की रोकथाम को लेकर गुरुवार से स्कूलों में टीकाकरण अभियान शुरू हो गया। यह अभियान 10 मई तक चलेगा। पहले दिन शाहगंज ब्लाक के विभिन्न स्कूलों में 959 बच्चों को टीडी वैक्सीन लगाई गई।प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ.सूर्य प्रकाश यादव ने

बताया कि अभियान में कक्षा 5 और 10 के बच्चों को टीडी वैक्सीन लगाई जा रही है। बच्चों को वैक्सीन लगाने को लेकर 39 टीमें लगाई गई हैं। हर टीम में एएनएम के साथ आशा और आंगनबाड़ी कार्यकत्री सहयोग में लगे हैं। प्रभारी चिकित्साधिकारी ने स्कूलो के प्रधानाध्यापक से सहयोग की अपील की है।

अपर पुलिस आयुक्त का पदभार संभालते ही एक्शन में डा0 एस.चन्नप्पा

डॉ.एस.के. मिश्र, वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में डा0 एस. चन्नप्पा, अपर पुलिस आयुक्त, कानून एवं व्यवस्था, कमिश्नरेट वाराणसी द्वारा चौधरी चरण बस

स्टेशन तथा रेलवे स्टेशन कैण्ट पर पार्किंग स्थल, प्रवेश एवं निकास द्वार तथा प्लेटफार्म तथा कैण्ट रेलवे स्टेशन से इग्लिशिया लाइन तिराहा, साजन तिराहा, नगर निगम चौराहा होते हुए त्रिनेत्र भवन तक पैदल गश्त करते हुए पर बीडीडीएस टीम एवं डॉग स्क्वाड के साथ भ्रमण/निरीक्षण किया गया है। उक्त निरीक्षण के दौरान बेतरतीब खडे वाहनो के सम्बन्ध में अधिकारी/ कर्मचारीगण को कठोरता पूर्वक विधिक कार्यवाही करने एवं अतिक्रमण मुक्त किये जाने के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। उक्त निरीक्षण/ भ्रमण के दौरान गौरव वंशवाल, पुलिस उपायुक्त, काशी जोन, सरवणन टी. अपर पुलिस उपायुक्त, काशी जोन एवं ईशान सोनी, सहायक पुलिस आयुक्त, तथा सम्बन्धित थाना प्रभारी/चौकी प्रभारी उपस्थित रहे।

जौनपुर में मुंगराबादशाहपुर थाना प्रभारी द्वारा युवक को पट्टे से पीटने का वीडियो वायरल

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मुख्यमंत्री योगीराज में जौनपुर की पुलिस कितना बेलगाम है। इसका प्रत्यक्ष प्रमाण मुंगरा बादशाहपुर के इस वायरल वीडियो से देखने को मिलता है। जौनपुर जिले के मुंगराबादशाहपुर थाना प्रभारी विनोद मिश्रा द्वारा एक युवक को जानवरों की तरह खंभे में सटाकर पट्टे से पीटा गया है।थाना प्रभारी के बर्बरता का वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर हो रहा है वायरल आरोप है कि उक्त युवक द्वारा किसी काम को करवाने के लिए साहब को काफी रुपए नकद दिया गया था।काम न होने पर जब उसने रुपये वापस मांगा तो जमकर उसे पीट दिया गया। फिलहाल बेरहमी से युवक को पट्टे से पीटते हए वीडियो सोसल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा। वायरल वीडियो की पुष्टि हमरा अखबार नहीं करता। जब इस मामले में किसी ने एक्स हैंडल पर ट्विटर किया तो हड़कंप मच गया। इसके बाद जौनपुर पुलिस ने एक्स हैंडल पर पूरे मामले की जानकारी देते हुए बताया उक्त वीडियो को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए तत्काल प्रभाव से संबंधित थाना प्रभारी को लाइन हाजिर कर दिया गया है। पुलिस अधीक्षक जौनपुर डॉ कौस्टम के हवाले से यह भी बताया गया है कि उक्त मामले की विभागीय जांच बैठा दी गई है। सात दिनों में विभागीय कार्यवाही अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शैलेंद्र सिंह के अधीन प्रारंभ कर दी गई है।

पुलिस का खौफनाक चेहरा जिसको देख आपके खड़े भी हो जायेगे रोंगटे। चर्चित इंस्पेक्टर विनोद मिश्रा है जो मुंगराबादशाहपुर थाने की कमान एसपी जौनपुर ने सौंपी है लेकिन जिसे तरह से एक युवक को खंभे में बंधकर बेल्ट से पीटने का वीडियो वायरल हो रहा है। यही नहीं दो सिपाहियों ने युवक को खंभे में बांधकर जिस तरह से पिटाई की है उससे तो एक बात साफ है कि बेअंदाज इंस्पेक्टर इसके पूर्व में भी कई विवादित मामलों में जांच चल रही है। इसके बावजूद भी थाने की कमान से भी चचाओं में है क्या खाकी को इस तरह से किसी को मारने के लिए कानून इजाजत देता है? अगर नहीं तो क्या ऐसे क्रूर इंस्पेक्टर पर एसपी जौनपुर क्या कार्यवाही करेंगे कि या फिर पूर्व की भांति जांच के नाम पर सिर्फ कागजी कोरम पूरा मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा।

पीएम श्री योजनान्तर्गत निर्मित दो अतिरिक्त कक्षों बाल वाटिका व दिव्यांग शौचालय का सांसद ने किया लोकार्पण

पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय इब्राहिमाबाद में हुआ आयोजन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सांसद राज्यसभा श्रीमती सीमा द्विवेदी के द्वारा गुरुवार को कंपोजिट विद्यालय इब्राहिमाबाद में पीएम श्री योजनान्तर्गत निर्मित दो अतिरिक्त कक्षों, बाल वाटिका व दिव्यांग शौचालय का लोकार्पण फीता काटकर किया गया।

मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को शिक्षित करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा प्रत्येक ब्लाक में दो पीएमश्री स्कूलों का निर्माण कराया जा रहा है। अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) की प्रयोगशाला के रूप में काम करने वाले ये स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में नई क्रांति लाने में सहायक होगी। सांसद ने कहा कि इन स्कूलों का एक और उद्देश्य यह है कि देशभर के सामान्य परिवारों के बच्चों को सरकारी स्कूल में गुणवत्तायुक्त शिक्षा आसानी से उपलब्ध हो सके। अच्छी शिक्षा ग्रहण करने के लिए उन्हें घर से दूर नहीं जाना पड़ेगा। इन स्कूलों में अत्याधुनिक प्रयोगशालाए स्थापित की जाएगी ताकि छात्रों को केवल किताबी ज्ञान के साथ - साथ कौशल विकास पर भी ध्यान दिया जाएगा। इससे उनका आत्म विश्वास मजबूत होगा। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि छात्रों को शिक्षित करने के साथ उनके राष्ट्रभाव की प्रेरणा को पैदा करने का काम करे। बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल ने कहा कि कायाकल्प योजना के माध्यम से भौतिक परिवेश में परिषदीय स्कूलों में आमूलचूल परिवर्तन हुआ है। अध्यापकों के अंदर असीम योग्यता है। यदि अध्यापक स्कूल समय से आ रहे है।समय से जा रहे है, बेहतर ढंग से पढ़ा रहे है।बच्चों के व्यावहारिक परिवर्तन करने में मेहनत कर रहे है तो निश्चित रूप से हर अभिभावक आप के ही स्कूल में नामांकन कराएगा। बेसिक शिक्षा अधिकारी ने नामांकन बढ़ाने के लिए निर्देश दिया। खंड शिक्षा अधिकारी अजीत सिंह ने कहा कि उक्त विद्यालय में बच्चों के नामांकन हेतु शिक्षक अभिभावकों को प्रेरित करे। विद्यालय के छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।वक्ताओं में प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अमित सिंह, पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष सुशील उपाध्याय, मंजू पांडेय, ब्लाक अध्यक्ष मृत्युंजय सिंह, राजीव सिंह लोहिया, अजय सिंह, राजकुमार पांडेय, मंजुलता यादव, माधुरी जायसवाल, दीपमाला जायसवाल, चंद्र यादव, प्रभुनाथ यादव, अनुपम श्रीवास्तव सहित भारी संख्या में अभिभावक मौजूद थे। संचालन प्रधानाध्यापक सुनील सिंह व अध्यक्षता ग्राम प्रधान लीलावती देवी ने किया।

सेवा भारती ने नारी स्वावलंबन केंद्र का किया शुभारंभ

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सेवा भारती जौनपुर के तत्वाधान में आर्थिक एवं सामाजिक रूप से कमजोर महिलाओं एवं युवतियों के आर्थिक स्वालंबन हेतु सेवा बस्ती पुरानी बाजार में अनवरत चलने वाले नारी स्वावलंबन केंद्र का शुभारंभ किया गया, जिसमें जरूरतमंदों को त्रैमासिक निःशुल्क सिलाई कार्य का पूर्ण प्रशिक्षण दिया जाएगा।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला संघचालक डॉ सुभाष सिंह, सेवा भारती अध्यक्ष अनिल गुप्ता, सहसंचालक प्रेमचंद शुक्ल, संरक्षक डॉ विनोद कनौजिया, महामंत्री देवेश गुप्ता, कोषाध्यक्ष सी ए सुजीत अग्रहरि, महिला प्रमुख स्वप्निल सिंह सहित संस्था के लोगों ने मां भारती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया। तत्पश्चात पंडित रजनीकांत द्विवेदी ने भगवान श्री कृष्ण के मंदिर में विधिवत पूजा अर्चना कराके सिलाई मशीन प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ कराया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ सुभाष सिंह ने कहा कि महिलाएं परिवार के साथ-साथ समाज के विकास की मुख्य धुरी होती है।अतः इनके विकास से ही संपूर्ण समाज का उत्थान संभव है। उन्होंने नारी स्वावलंबन के साथ-साथ नारी सम्मान की महत्ता पर विशेष रूप से प्रकाश डाला।अध्यक्ष अनिल गुप्ता ने नारी स्वालंबन केंद्र के उद्देश्य एवं इस सिलाई प्रशिक्षण कार्यशाला की योजना पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा स्वावलंबन कार्यक्रम संयोजक आनंद मिश्र एवं प्रशिक्षिका शांति चतुर्वेदी जी के प्रयासों की प्रशंसा की।

कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला बाल्य कार्य प्रमुख नारायण दास ने किया तथा उपस्थित सभी के प्रति आभार महामंत्री देवेश गुप्ता ने व्यक्त किया।इस अवसर पर उमेश चंद्र गुप्ता, सखी वेलफेयर की अध्यक्ष प्रीति गुप्ता, रेखा त्रिपाठी, रजनी साहू, रेखा सिंह, शशि मिश्रा, दिनेश गुप्ता, सुधीर सिंह, रजनीश शर्मा, दीपक सिंह, ओम प्रकाश मौर्य, डॉ राजेश कुमार तथा पुरानी बाजार क्षेत्र के तमाम गणमान्य व्यक्ति व प्रशिक्षु महिलाएं व युवतियाँ उपस्थित रहीं।

पुलिस ने एक वारंटी को किया गिरफ्तार

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस ने गुरुवार को एक वारंटी को गिरफ्तार किया है। आवश्यक कार्यवाही के बाद वारंटी को संबंधित न्यायालय भेज दिया

गया। थाना प्रभारी रामाश्रय राय ने बताया कि मनोरथ पुत्र भुगुल उर्फ कुम्भकरण निवासी डण्डसौली एक मामले में फरार चल रहा था। न्यायालय से उसके विरुद्ध वारंट जारी था। उसे उसके घर से गिरफ्तार किया गया।

हार्डवेयर की दुकान में आग से लाखों की क्षति

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के आजमगढ़ केराकत तिराहा केशवपुर गांव स्थित बीके हार्डवेयर की दुकान में बीती रात भीषण आग लगने से पूरी दुकान बुरी तरह से जलकर नष्ट हो गई। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्कसर्किट बताया जा रहा है। भोर में करीब चार बजे जब लोग मॉर्निंग वाक के लिए निकले तो देखा की दुकान से धुंआ निकल रहा हैं। लोगों ने दुकान स्वामी वीरेंद्र को आग लगने की सूचना तुरंत दिया तथा फायर विग्रेड को भी अवगत। मौके पर पहुंचे फायर विग्रेड घंटों मशक्कत के बाद आग को काबू पा सका। तब तक पूरी तरह से दुकान में रखे सारे सामन जल का नष्ट हो गई । बताया जाता है कि लगभग सात लाख रुपए के सामान जलकर नष्ट हो गए कुछ भी नहीं बचा। दुकान के मालिक वीरेंद्र जो वाराणसी के लक्ष्मनपुर थाना शिवपुर के निवासी हैं जौनपुर में ही अपने छोटे भाई के साथ रहते थे लेकिन बीती रात दुकान बंद करने के बाद घर में लक्ष्मनपुर वाराणसी चले गए थे।सूचना मिलने पर मौके पहुंची थाने की पुलिस मामले की जांच पड़ताल में कर रही है। इसी प्रकार बरसठी ब्लॉक के घाटमपुर गांव सभा के देवकली ताल में अचानक किसी के खेत में आग लग गई और आग की विकरालता ने गेहूं का भूसा रखा हुआ था सब जलकर राख हो गया। आग फैल कर पुरेशवा गांव के तालाब तक पहुंच गया। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड जमालापुर से घाटमपुर देवकली गांव में पहुंचकर आग पर काबू पाया और एक किसान का 7 कुंतल गेहूं जलकर राख हो गया और कई किसानों का भूसा जलकर राख हो गया। हजारों लोग बाल्टी की पानी लेकर दौड़े और आग पर काबू पाया। फायर ब्रिगेड की गाड़ी में आग पर काबू पाया दोपहर की हवा होने के कारण आग हवा किती प्रगति से फैलती जा रही थी।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार बैंक मैनेजर की मौत

जालौन (उत्तरशक्ति)। बाइक सवार बंधन बैंक के मैनेजर को बुधवार रात अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। सड़क पर गिरने पर वाहन उन्हें रौंदता हुआ निकल गया। इससे उनकी घटनास्थल पर मौत हो गई। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को जानकारी दी। झांसी के कस्बा समथर निवासी अभिषेक व्यास (32) बबीना स्थित बंधन बैंक में मैनेजर थे। बुधवार को वह उरई में शादी होने पर बाइक से आ रहे थे। जैसे ही बाइक रात करीब 11 बजे रात एट थाना क्षेत्र के सोमई पावर हाउस के पास पहुंची तभी किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी और रौंदते हुए निकल गया। इससे उनकी मौत हो गई। राहगीरों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने उसके भाई आशीष को इसकी जानकारी दी। आशीष ने बताया कि उनके एक तीन साल की बेटी है। उनकी मौत से पत्नी गायत्री व अन्य परिजन रो-रोकर बेहाल है। थाना प्रभारी लोकेंद्र सिंह ने बताया कि हेलमेट लगाए थे पर वाहन के रौंदते हुए निकल जाने से मौत हो गई।

गंगा स्नान के दौरान 3 युवक डूबे, 2 की मौत

बिहार (उत्तरशक्ति)। बिहार के बेगूसराय में एक बड़ा दर्दनाक हादसा हुआ है जहां गंगा नदी में नहाने गए तीन युवक डूब गए। जिनमें से दो युवकों की मौत हो गई जबकि एक को सुरक्षित बचा लिया गया। मिली जानकारी के अनुसार, घटना चकिया थाना क्षेत्र के सिमरिया गंगा घाट की है। मृतकों की पहचान गौरव कुमार एवं धर्मेंद्र कुमार के रूप में की गई है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि तीनों युवक स्नान करने के लिए गंगा नदी में उतरे। नहाने के क्रम तीनों गहरे पानी में डूबने लगे। वहीं युवकों को डूबते देख वहां मौजूद लोगों ने गोताखोरों को बुलाया और एक युवक को डूबने से बचा लिया जबकि दो युवकों की जान नहीं बचाई जा सकी। वहीं, घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस के साथ एसडीआरएफ की टीम भी पहुंची, जहां गंगा नदी में डूबे एक युवक के शव को नदी से बाहर निकाला गया।

गर्मी को देखते हुए कक्षा 1 से 8 तक सभी स्कूलों का बदला समय

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। राजधानी लखनऊ में भीषण गर्मी को देखते हुए कक्षा एक से आठ तक के सभी स्कूलों का समय बदल दिया गया है। इसके लिए जिलाधिकारी विशाखजी ने आदेश जारी कर दिया है। सभी स्कूलों को आदेश का कड़ाई से पालन करने के लिए निर्देशित किया है। शुक्रवार से सभी स्कूलों का संचालन अग्रिम आदेश तक सुबह 7:30 से दोपहर 12:30 तक किया जाएगा। अभी तक लखनऊ में प्रातः 8:00 बजे से दोपहर 2:00 तक विद्यालय संचालित किए जाते थे। जिलाधिकारी विशाखजी ने बताया कि विद्यार्थियों के हित में कक्षा एक से आठ तक के सभी बोर्डों के सरकारी, परिषदीय, गैर सरकारी, प्राइवेट विद्यालयों का समय परिवर्तित किया गया है। इसके साथ ही विद्यार्थियों की बाहर खुले क्षेत्र में कोई भी गतिविधि न कराए जाने के आदेश दिए गए हैं।

आधार कार्ड और जन्म प्रमाणपत्र को लेकर परिजन परेशान

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। बूढ़नपुर में बच्चों के आधार कार्ड और जन्म प्रमाणपत्र को लेकर परिजनों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्कूलों में प्रवेश के लिए आधार कार्ड अनिवार्य किया गया है, लेकिन जिन बच्चों के पास आधार कार्ड नहीं है, उनका नामांकन नहीं हो पा रहा है। आधार कार्ड बनवाने के लिए जन्म प्रमाणपत्र की आवश्यकता पड़ रही है, जिसके लिए परिजन ब्लॉक और तहसील के चक्कर काट रहे हैं। जानकारी के अभाव में कई अभिभावक ब्लॉक कार्यालय पहुंच रहे हैं, जहां से उन्हें जन्म प्रमाणपत्र के लिए तहसील भेजा जा रहा है। तहसील में भी दस्तावेजों की कमी के कारण परिजनों को बार-बार ब्लॉक और तहसील के बीच दौड़ लगानी पड़ रही है। चिलचिलाती धूप में घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है, फिर भी बच्चों के भविष्य को लेकर परिजन इधर-उधर भटक रहे हैं। कुछ परिजनों ने आरोप लगाया कि बूढ़नपुर तहसील क्षेत्र में कहीं भी आधार कार्ड बनवाने की सुविधा उपलब्ध नहीं है। पहले पोस्ट ऑफिस और यूनियन बैंक में आधार कार्ड बनाए जाते थे, लेकिन अब यह सुविधा बंद हो चुकी है। इससे बच्चों का स्कूल में नामांकन करवाना और भी मुश्किल हो गया है। इस संबंध में एसडीएम एसएन त्रिपाठी ने बताया कि तहसील से जन्म प्रमाणपत्र बनाए जा रहे हैं। अभिभावक जन्म प्रमाणपत्र बनवाकर आधार कार्ड बनवा सकते हैं।

अज्ञात कारणों से खेत में लगी आग गांव तक पहुंची, छह घरों के सामान जलकर राख

जालौन (उत्तरशक्ति)। एट थाना कोटरा अंतर्गत ग्राम पुर में खेतों में खड़ी पराली में अज्ञात कारणों से आग लग गई। तेज हवा के चलते आग की चिंगारियां खेत से लगे घरों तक पहुंच गईं, जिससे गांव के छह मकानों में आग लग गई। थोड़ी देर बाद ही आग बबूल के जंगलों में भी आग फैल गई। ग्रामीण महेश खंगार, पुष्पेंद्र खंगार, गोविंद, विक्रम खंगार, मदन चंद्र, राजेंद्र खंगार, अखिलेश रजक, गोविंद, आसाराम, नेपाल खंगार, विमल, जगदीश ने बताया कि आग खेत में खड़ी पराली में लगी और अचानक तेजी से बढ़ती चली गई। इसके बाद आग ने खेत के पास मौजूद छह घरों को चपेट में ले लिया। थाना प्रभारी विमलेश कुमार पुलिस बल के साथ पहुंचे और ग्रामीणों तथा फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पाया। करीब दो घंटे तक आग लगी रही। इससे गांव में अफरा तफरी का माहौल बना रहा। आग से 50 बीघा पराली और एक हजार पेड़ राख हो गए। इस दौरान एसडीएम, नायब तहसीलदार, लेखपाल टीम के साथ पहुंचे और क्षति का आकलन शुरू किया। ग्रामीणों का आरोप है कि बिजली के तारों से निकली चिंगारी से आग लगी है। जब आग बढ़ने लगी तो बिजली को सूचना दी गई, लेकिन मौके पर कोई नहीं पहुंचा। धीरे धीरे आग घरों तक पहुंच गई। अधिशासी अभियंता जितेंद्र नाथ ने बताया कि आग लगने की जानकारी हुई है।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद एक्शन में सरकार

बुलंदशहर (उत्तरशक्ति)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सरकार एक्शन में आ गई है। विजिटर वीजा पर आई पांच पाकिस्तानी महिलाओं में से चार को गुरुवार को बुलंदशहर से वापस पाकिस्तान भेज दिया गया। इस दौरान सभी महिलाएं रोती हुई नजर आईं। पाकिस्तान से आई पांचों महिलाएं अपने रिश्तेदारों के यहां आई थीं। एलआईयू की टीम ने रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की है। बता दें कि केंद्र सरकार ने सभी पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे के अंदर भारत छोड़ने के लिए कहा है। सरकार द्वारा वापस न लौटने पर संबंधितों को वीजा कैंसिल करने के आदेश दिए गए थे। उसी के मद्देनजर इन महिलाओं को पाकिस्तान भेजा गया है। गाजियाबाद कोतवाली क्षेत्र में शॉर्ट टर्म वीजा पर पाकिस्तान से आए दो बच्चों को वापस भेजा जाएगा। विदेशी पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) दिल्ली से जिले की लोकल इंटेलिजेंस यूनिट (एलआईयू) को कैला भट्ठा कालोनी में शॉर्ट टर्म वीजा से आए दो बच्चों की जानकारी मिली है। टीम ने दोनों बच्चों का सत्यापन कर एफआरआरओ को रिपोर्ट भेज दी है।

आओ मिलकर स्वागत करे द रॉयल्स का

मुंबई। एक ढहते हुए राजघराने और एक तेज, आत्मनिर्भर सीईओ के बीच शुरू हुआ एक बिजनेस डील जो जल्द ही एक रोमांस, कॉमेडी और बहुत सारे ड्रामा के रोलरकोस्टर में बदल जाता है। नेटफ्लिक्स की द रॉयल्स का ट्रेलर आ चुका है–जिसमें पहली झलक मिलती है भव्य लेकिन ढलते शहर मोरपुर की..जहाँ एक प्यारा सा राजकुमार और एक ज़िद्दी सीईओ मजबूरन साथ आते हैं.. और शायद एक-दूसरे से प्यार भी कर बैठते हैं। इस सीरीज में ईशान खट्टर निभा रहे हैं अविराज सिंह का किरदार – एक ना चाहते हुए भी बनाया गया हुआ, पोलो खेलने वाला नए जमाने का राजकुमार, और भूमि पेडनेकर बनी हैं आम कुमारी सोफिया कनमनी शेखर – एक तेजतर्रार सीईओ

जिसके सपने किसी महल से भी बड़े हैं। जब ये दोनों मिलकर मोरपुर की मुश्किल में फंसी हवेली और उसके अजीबो-गरीब निवासियों को एक लग्जरी बी & बी होटल में बदलने की कोशिश करते हैं, तो उनके इगो और एम्बिशन्स की टक्कर होती हैं और बनती हैं एक तूफानी कहानी – जिसमें है फ्लर्ट, फैमिली ड्रामे और हाई स्टेक्स क्रेजीपन। हालांकि ट्रेलर लॉन्च पर मौजूद नहीं रह पाईं, लेकिन जीनत अमान ने अपने दशकों लंबे शानदार करियर पर बात करते हुए कहा, मैं आज भी नए रोल्स और अवसरों को अपनाने को लेकर उतनी ही पैशनेट हूँ जितनी पहले थी। द रॉयल्स का अनुभव रिफ्रेशिंग और क्रिएटिविटी से भरपूर था। जोश और नई सोच वाले युवा टैलेंट्स के साथ काम करना हर सीन को मजेदार बना गया। मैं प्रीतिश नंदी कम्युनिकेशंस और नेटफ्लिक्स का दिल से आभारी हूँ कि उन्होंने मुझे इस अनोखी रोमांस की कहानी का हिस्सा बनाया। भूमि पेडनेकर कहती हैं, सोफिया का किरदार निभाना ऐसा लगा जैसे मैं एक ऐसी दुनिया में कदम रख रही हूँ जो एक ओर तो प्रेरणादायक है और दूसरी ओर बिलकुल ही अपने जैसी लगती है। वो ज़िद्दी है, एम्बिशियस है और इमोशनली ऑनेस्ट है – ये सब क्वालिटीज मुझे हमेशा आकर्षित करती हैं।

कैंडल मार्च निकाल मृतकों को दी श्रद्धांजलि

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय पहलगाम आतंकी हमले को लेकर लोगों में काफी आक्रोश है। गुरुवार की शाम मां विंध्यवासिनी दुर्गा पूजा समिति की ओर से कैंडल मार्च निकालकर हमले में मृत लोगों को श्रद्धांजलि दी गई। मनीष गुप्ता धर्मरक्षक ने केंद्र सरकार से आतंकियों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई की मांग की। साथ ही, देश की अखंडता एवं सुरक्षा के लिए एकजुट होकर खड़े होने की आवश्यकता पर बल दिया। कैंडल मार्च में शामिल उपेंद्रनाथ मिश्रा, संजय विश्वकर्मा, जगदंबा पाण्डेय, शांति सागर सेठ, अमरेंद्र गुप्ता, शांति भूषण मिश्रा, धर्मचंद गुप्ता, गजेंद्र पांडे, कपूरचंद जायसवाल, कृष्णमुरारी मौर्य, अवधेश पाण्डेय समेत अन्य लोगों ने कैंडल के साथ नगर में मार्च किया। समापन पर दो मिनट का मौन रखकर मृतकों की आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना की गई।

पॉलिसीधारक की अनुपस्थिति में टर्म इंश्योरेंस क्लेम करने की प्रक्रिया जानें : पॉलिसीबाजार

पटना (उत्तरशक्ति)। लोगों के बीच आम धारणा यह है कि टर्म पॉलिसी खरीदने के साथ ही वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी खत्म हो जाती है, लेकिन ऐसा नहीं है। टर्म इंश्योरेंस पॉलिसी को खरीदना वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने की तरह पहला कदम जरूर है, लेकिन आपकी अनुपस्थिति में आपकी संपत्ति को किस तरह संभाला जाएगा इसकी योजना बनाना भी महत्वपूर्ण है। क्लेम फाइल करने का समय आमतौर पर बिना बताए आ जाता है और अगर ऐसा होता है, तो नॉमिनी व्यक्ति को अक्सर समझ नहीं आता कि आगे क्या करना है। हालांकि कंपनियों ने क्लेम की प्रक्रिया को आसान बनाया है, लेकिन इस प्रक्रिया को जानना आवश्यक है। वरुण अग्रवाल, हेड-टर्म इंश्योरेंस, पॉलिसीबाजार डॉट कॉम ने कहा कि ह्लसही योजना, और समय पर कार्रवाई मुश्किल समय के दौरान क्लेम की प्रक्रिया को आसान बना सकती है और यह सुनिश्चित कर सकती है कि आपके प्रियजन सुरक्षित हैं। बीमाकर्ता को पॉलिसीधारक की मृत्यु के बारे में जल्द से जल्द बताना चाहिए। इससे पहले, लाभार्थियों को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि पिछले प्रीमियम का भुगतान हो चुका है और पॉलिसी एक्टिव है। नॉमिनी व्यक्ति को क्लेम फॉर्म ऑनलाइन डाउनलोड करके या इसे नजदीकी शाखा से प्राप्त कर सभी डिटेल्स और सपोर्टिंग डॉक्यूमेंट्स के साथ फॉर्म को जमा करना चाहिए ताकि क्लेम प्रक्रिया शुरू की जा सके।

अगली प्रक्रिया क्लेम का मूल्यांकन है जिसमें बीमाकर्ता भुगतान जारी करने से पहले डिटेल्स की जांच करता है। लाभार्थियों की मुश्किलों को कम करने और उनकी मदद करने के लिए, आईआरडीएआई ने क्लेम फाइल करने के 30 दिनों के अंदर क्लेम सेटल करने का निर्देश दिया है। अगर क्लेम सेटलमेंट आवश्यक अवधि के अंदर नहीं किया जाता है, तो बीमा कंपनी ब्याज का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी होगी। टर्म इंश्योरेंस आपके परिवार के लिए सुरक्षा कवच प्रदान करता है, लेकिन क्लेम अस्वीकार किए जाने के कुछ सामान्य कारण हैं, जिनके बारे में आपको पॉलिसी खरीदते समय पता होना चाहिए। नॉमिनी व्यक्तियों के लिए क्लेम फाइल करते समय इन चीजों को ध्यान में रखना चाहिए। पॉलिसी खरीदते समय और कोई भी फॉर्म जमा करते समय हमेशा सही और ईमानदारी से जानकारी देना आवश्यक है। हमेशा ध्यान रखें कि पहले से मौजूद किसी भी टर्म पॉलिसी के बारे में बताएं, क्योंकि इससे क्लेम पर असर पड़ सकता है। साथ ही, पहले से मौजूद किसी भी स्वास्थ्य स्थिति के बारे में बताएं, जो सीधे आपके प्रीमियम और कवरेज को प्रभावित करती है। उन स्थितियों के बारे में न बताने से क्लेम रिजेक्ट किया जा सकता है। अगर आप धूम्रपान करते हैं या खतरनाक खेलों में भाग लेते हैं तो इसके बारे में बीमाकर्ता को सूचित करें, क्योंकि वे आपके स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकते हैं, जिसके बारे में बीमाकर्ता को पता होना चाहिए। ऐसी कोई भी गतिविधि जो आपके जीवन को खतरे में डाल सकती है, उसके बारे में बताया जाना चाहिए, क्योंकि बीमाकर्ता इस जानकारी के आधार पर आपके कवरेज का मूल्यांकन करेगा। अगर पॉलिसी जारी होने या दुबारा शुरू होने के 12 महीने से अधिक समय बाद आत्महत्या होती है, तो टर्म इंश्योरेंस आत्महत्या के लिए कवरेज प्रदान करता है। अगर मृत्यु इस अवधि के अंदर होती है, तो नॉमिनी व्यक्ति को पूर्ण मृत्यु लाभ नहीं मिल सकता है। साथ ही अगर प्रीमियम समय पर नहीं भरा गया, तो पॉलिसी बंद (लैप्स) हो सकती है और ऐसे में क्लेम का पैसा नहीं मिल पाएगा।

पीएनबी मेटलाइफ ने लॉन्च किया GROW प्लान

मुंबई। भारत की अग्रणी लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों में से एक पीएनबी मेटलाइफ इंडिया इंश्योरेंस कंपनी (पीएनबी मेटलाइफ) ने पीएनबी मेटलाइफ GROW प्लान (UIN: 117N167V01) लॉन्च किया है। यह नॉन-लिंक्ड, पार्टिसिपेटिंग, इंडिविजुअल लाइफ इंश्योरेंस सेविंग्स प्लान है, जो ग्राहकों के लिए सुविधाजनक विकल्प पेश करने के लिए तैयार किया गया है। इसमें समय के साथ बढ़ती आमदनी, जीवन पड़ाव आधारित भुगतान या फिर परिपक्वता यानि मैच्योरिटी पर एकमुश्त भुगतान जैसे विकल्प मिलेंगे। कई पारंपरिक प्लान्स में लाइफ कवर परिपक्वता के साथ समाप्त हो जाता है, लेकिन GROW प्लान में ग्राहकों को जीवन भर कवर मिलता रहेगा, जिससे उन्हें परिपक्वता लाभ काफी पहले मिलने की सुविधा होगी। इस प्लान में अपनी सुविधानुसार प्रीमियम भुगतान अवधि, परिपक्वता आयु और भुगतान अंतराल के विकल्प मिलेंगे, जिससे यह विभिन्न वित्तीय लक्ष्यों एवं जीवन चरण की जरूरतों के हिसाब से खरीदा जा सकता है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने आतंकवाद और पाकिस्तान का पुतला फूंका

आजमगढ़। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर दिया है। इससे देशभर में गुस्से की लहर दौड़ गई है। इस घटना को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की नगर इकाई सदर के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को आतंकवाद और पाकिस्तान का पुतला दहन किया। कार्यकर्ताओं ने आतंकवाद मुदार्बाद और पाकिस्तान मुदार्बाद के नारे लगाए। कार्यकर्ताओं ने आतंकवादियों को फांसी की सजा देने की मांग की। केंद्र सरकार से इस हमले का कड़ा जवाब देने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यह हमला न केवल पर्यटकों पर, बल्कि कश्मीर की अर्थव्यवस्था और शांति पर भी आघात है। कार्यकर्ताओं ने सरकार से कश्मीर में पर्यटकों की सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम करने की मांग की। मयंक राय ने कहा कि पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर किया गया यह हमला कश्मीरियत और इंसानियत पर प्रहार है। आतंकवादियों को बख्शा नहीं जाना चाहिए। आदित्य गुप्ता ने केंद्र सरकार से मांग की कि इस हमले के दोषियों को जल्द सजा दी जाए और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई हो। कार्यक्रम में प्रांत मंत्री मयंक राय, नगर मंत्री आदित्य गुप्ता, रजत शर्मा, अभिषेक पांडेय, सागर यादव, निखिल निषाद, रोहित सिंह सहित दर्जनों कार्यकर्ता शामिल रहे। हमले में मारे गए हिंदुओं के परिवारों के प्रति शोक संवेदना प्रकट की है। ब्राह्मण समाज कल्याण परिषद के अध्यक्ष ब्रजेश नंदन पांडेय ने कहा कि आतंकवादियों ने धर्म पूछकर हत्या की है। उन्होंने हमले में संलिप्त आतंकवादियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग केंद्र सरकार से की है।

जम्मू-कश्मीर के पहलगांव हमले के विरोध में भाजपा ने वसई में जलाया पाकिस्तानी झंडा

पाकिस्तान ने कश्मीर में पर्यटन में वृद्धि पर ध्यान नहीं दिया है : उत्तम कुमार

वसई। जम्मू-कश्मीर के पहलगांव में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर वसई में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने कड़ा विरोध जताया। हमले में भारतीय सैनिकों को भारी नुकसान पहुंचने के बाद गुस्साए कार्यकर्ताओं ने पाकिस्तान के खिलाफ नारे लगाए और पाकिस्तानी झंडा जलाया। वसई रेलवे स्टेशन क्षेत्र में आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में स्थानीय भाजपा नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। उन्होंने ₹पाकिस्तान मुदार्बाद₹ और ₹आतंकवाद मुदार्बाद₹ जैसे नारे लगाए तथा राष्ट्र विरोधी गतिविधियों का कड़ा जवाब देने की मांग की।

इस अवसर पर भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश, केरल प्रकोष्ठ के संयोजक उत्तम कुमार ने कहा, ₹देश में इस तरह के हमलों को जड़ से खत्म करने के लिए कड़े कदम उठाए जाने की जरूरत है। पाकिस्तान को कश्मीर में पर्यटन में बढ़ोतरी नहीं दिखी है। पाकिस्तान को इसके लिए गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। आज की घटना से पता चलता है कि सबसे पहले देश में रहकर देश के खिलाफ साजिश रचने वाले कुछ राजनीतिक समूहों को रोकना जरूरी है। हमारे जवान बलिदान दे रहे हैं और पाकिस्तान खुलेआम आतंकवादियों का समर्थन कर रहा है। जब सरकार आतंकवाद के खिलाफ सख्त कदम उठाती है, तो रॉबर्ट वाड्रा जैसे लोगों को 'मानवाधिकार' और 'अल्पसंख्यक' याद आते हैं।₹ इस अवसर पर उन्होंने आगे कहा कि पहलगांव हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने जांच शुरू कर दी है। जिससे पूरे देश में गुस्से की लहर फैल गई है। भाजपा का यह आंदोलन उसी भावना का प्रतिबिंब प्रतीत हुआ। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटिल, महेश सरवणकर, प्रज्ञा कुलकर्णी, शेखर धुरी, अभय कक्कड़, सिद्धेश तावड़े, देवेन्द्र जेना, जोगेंद्र प्रसाद, प्रसाद चौधरी, बाला सावंत, मनोज शर्मा, रामानुम सिंह, विनोद सक्सेना सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एक सप्ताह से नहीं बदला गया जला ट्रासफार्मर, जनता ने किया प्रदर्शन

चंदौली (उत्तरशक्ति)। चहनियां क्षेत्र के रामगढ़ गांव का एक सप्ताह पूर्व जले ट्रांसफार्मर को अभी तक नहीं बदला गया है। प्रचंड गर्मी मे बिजली न मिलने से पानी की किल्लत से परेशान लोगों ने बृहस्पतिवार को चहनिया पावर हाउस पर धरना दिया। ग्रामीण लोगो का कहना है कंप्लेन हुए चार दिन हो गए लेकिन अभी तक कोई सुनवाई नही हुई। जेई फोन करने पर फोन नही उठाते है और कभी उठ गया तो ठीक से जबाब नहीं देते,उनके इस रवैया से जनता मे आक्रोश ब्याप्त है। दुर्व्यवस्था से आजिज आकर गांव के लोग चहनियां पावर हाउस पर धरना दिया। जेई सुभाष यादव ने लोगो को आश्वासन दिया कि बृहस्पतिवार को किसी भी हाल मे ट्रांसफार्मर लग जायेगा।

प्रमाण पत्र के नाम पर लेखपाल पर वसूली का आरोप

निजामाबाद। तहसील क्षेत्र के मक्खन पट्टी गांव निवासी अजय कुमार पांडेय ने हलका लेखपाल रुचि सिंह पर आय प्रमाण पत्र बनाने के लिए अवैध वसूली का आरोप लगाया है। गलत आय दर्ज करने का भी आरोप लगाया है। एसडीएम निजामाबाद ने जांच के आदेश दिए हैं। अजय कुमार पांडेय ने बताया कि उनके पास न तो जमीन है और न ही पक्का मकान है। वे रिक्शा चलाकर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। उनकी दो बेटियों का दाखिला केंद्रीय विद्यालय में हुआ है। छात्रवृत्ति के लिए आय प्रमाण पत्र बनवाने के लिए उन्होंने आवेदन किया था। अजय का आरोप है कि लेखपाल रुचि सिंह ने उनसे 3000 रुपये लिए और उनकी वार्षिक आय 72000 रुपये दर्ज कर दी। जब उन्होंने इस पर आपत्ति जताई तो दोबारा सुविधा शुल्क देने को कहा गया, तब भी लेखपाल ने वही 72000 रुपये की रिपोर्ट लगाई।

हरिकेश तिवारी के पिता लालता प्रसाद तिवारी का दुःखद निधन

प्रतापगढ़ (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश जनपद प्रतापगढ़, पोस्ट विश्वनाथगंज ग्राम पूरे खरगराय के निवासी समाजसेवी लालता प्रसाद तिवारी उम्र 78 वर्ष के आयु में दिनांक 24 अप्रैल 2025 दिन गुरुवार हृदयघात होने के कारण आकस्मिक निधन हो गया। पंडित लालता प्रसाद तिवारी एक मिलनसार व्यक्ति थे । उनके निधन पर गांव में शोक की लहर दौड़ पड़ी है। उनका अंतिम संस्कार दिनांक 25 अप्रैल 2025 को किया जाएगा। हिंदू वादी नेता मुम्बई के नालासोपारा पूर्व के ओसवाल नगरी नाका स्थित शिवशक्ति वाशिंगसेंटर के संचालक व सम्मानित पंडित हरिकेश तिवारी के पिता हैं। पिता के निधन की खबर सुनते ही उनके आवास पर लोगों का जमावड़ा होने लगा । हरिकेश तिवारी ने अपने गांव प्रस्थान कर चूके हैं। उनके पहुंचे के बाद ही पिता का अंतिम संस्कार किया जाएगा । मुंबई से दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के संपादक ओमप्रकाश प्रजापति , उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा, पत्रकार आनंद कुमार मिश्रा , आचार्य पंडित दिनानाथ शुक्ल, वरिष्ठ पत्रकार प्रेम चौबे, पत्रकार मुकेश त्रिपाठी, राजेश वर्मा, आशुतोष तिवारी ,सिंपल सिंह सहित कई लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित कर शोक प्रकट किया। लोगों ने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए दिवंग आत्मा को ईश्वर शांति एवं शोकाकुल परिवार को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

एकम्स और टीएनएयू ने फार्मास्युटिकल अविष्कारों के लिए रणनीतिक साझेदारी की

मुंबई। फार्मास्यूटिकल्स फॉर्मुलेशन के निर्माण में रिसर्च और डेवलपमेंट को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए एकम्स ड्रग्स एंड फार्मास्यूटिकल्स ने तमिलनाडु एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी (TNAU) के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoA) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह रणनीतिक साझेदारी शिक्षा और उद्योग के बीच एक महत्वपूर्ण कदम है। यह साझेदारी इसलिए हुई है ताकि दोनों संस्थान मिलकर एडवांस्ड और टिकाऊ हेल्थकेयर समाधान विकसित कर सकें। इस साझेदारी के माध्यम से एकम्स और टीएनएयू जानकारी साझा करके और दवाइयों के निर्माण के लिए नए कृषि समाधानों की खोज करके रिसर्च को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करेंगे। टीएनएयू में डिपार्टमेंट ऑफ प्रोसेसिंग और फूड इंजीनियरिंग फार्मास्यूटिकल्स और हेल्थ सप्लीमेंट के लिए पौधे-आधारित सामग्रियों का उपयोग करने के नए तरीकों का अध्ययन करेगा। यह प्रोजेक्ट आधुनिक चिकित्सा में पौधे-आधारित अवयवों की बढ़ती भूमिका पर ज्यादा महत्व देगा।

इस साझेदारी में एकम्स अपनी दवा निर्माण संबंधी जानकारी को कृषि में टीएनएयू की विशेषज्ञता के साथ जोड़कर महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस सहयोग के तहत छात्रों को दवा बनाने का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करते हुए ट्रेनिंग और इंटर्नशिप भी प्रदान की जाएगी। इसके अलावा एकम्स कुमुलुर में एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग कॉलेज और रिसर्च इंस्टीटयूट (एईसीएंडआरआई) के साथ मिलकर भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नए फॉर्मूलेशन को बाजार में लाने के तरीकों पर काम करेगा। इसके लिए लुधियाना में क्ळअफ और CIPHET द्वारा फंडेड एक प्रोजेक्ट के तहत काम किया जाएगा।एकम्स ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल्स के मैनेजिंग डायरेक्टर संजीव जैन ने इस साझेदारी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, एकम्स में हम रिसर्च के माध्यम से नवाचार में दृढ़ता से विश्वास करते हैं। TNAU के साथ काम करने से हमें कृषि विज्ञान का उपयोग करके वैश्विक स्वास्थ्य आवश्यकताओं से मेल खाने वाली दवाइयाँ बनाने का अवसर मिलता है।

इस साझेदारी में ऐसे उपचार विकसित करने की बहुत संभावना है जो प्रभावी और पर्यावरण के अनुकूल दोनों होंगे। एकम्स ड्रग्स एंड फार्मास्यूटिकल्स की डॉयरेक्टर आरुषि जैन ने इस पहल के महत्वपूर्ण प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा, यह साझेदारी पारंपरिक कृषि संसाधनों को आधुनिक फार्मास्यूटिकल प्रगति के साथ मिलाकर काम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ळठअव के साथ मिलकर काम करके हमारा लक्ष्य ऐसे फॉर्मूलेशन विकसित करना है जो न केवल प्रभावी हों बल्कि टिकाऊ और सुलभ भी हों।

टीएनएयू, कुमुलुर के अए3&फ्क के डीन डॉ. पी. राजकुमार ने साझेदारी पर अपना सकारात्मक दृष्टिकोण साझा करते हुए कहा, ₹टीएनएयू ऐसे रिसर्च के लिए समर्पित है जो वास्तव में बदलाव लाता है। एकम्स के साथ काम करना समाज को लाभ पहुंचाने वाले समाधान बनाने के हमारे लक्ष्य का समर्थन करता है।

ककरमत्ता और मंडुवाडीह में फ्लाईओवर के लिए टेंडर पास होने के आसार

वाराणसी(उत्तरशक्ति) ककरमत्ता और मंडुवाडीह फ्लाईओवर के लिए जल्द टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी। पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों पुलों का शिलान्यास किया था। दोनों तरफ सर्विस रोड भी बनाई जाएगी। भिखारीपुर तिराहे पर वाई आकार का फ्लाईओवर बनेगा विभाग के मुताबिक, मंडुवाडीह चौराहे पर 342 मीटर लंबा फ्लाईओवर बनाया जाएगा। चौराहे से करीब 125 मीटर पहले फ्लाईओवर उठने के साथ बनारस स्टेशन के गेट से पहले उतरेगा। 56.73 करोड़ की लागत से बनने वाले फ्लाईओवर की चौड़ाई 10.50 मीटर होगी जबकि सर्विस लेन की चौड़ाई 5.5 मीटर होगी। इसमें कुल 14 पिलर होंगे। 118.84 करोड़ रुपये से भिखारीपुर तिराहे पर बनने वाले फ्लाईओवर की लंबाई 1075 मीटर होगी। फ्लाईओवर की चौड़ाई 10.50 मीटर जबकि सर्विस लेन की चौड़ाई 5.5 मीटर होगी। यहां कल 18 पिलर बनेंगे।

आतंकवादियों का पुतला फूंका नारेबाजी

-धर्मेंद्र कुमार शर्मा

बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। इंदिरा चौक पर गुरुवार को पाकिस्तान और आतंकवाद के खिलाफ उग्र प्रदर्शन देखने को मिला। विश्व हिंदू परिषद, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, बजरंग दल, भाजपा समेत कई संगठनों के कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों की भारी भीड़ ने आतंकवाद और देशद्रोहियों के खिलाफ नारेबाजी की।प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान मुदार्बाद और देश के गद्दारों को गोली मारो जैसे नारे लगाते हुए पाकिस्तान के आतंकवादियों का पुतला जलाया। कार्यक्रम के दौरान माहौल में भारी आक्रोश देखने को मिला। भीड़ की सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस तैनात रही और पूरे घटनाक्रम पर नजर रखी। स्थानीय लोगों और संगठनों की सक्रिय भागीदारी से यह प्रदर्शन चर्चा का विषय बना रहा।

दिल्ली के भागीरथ प्लेस में आग लगी, कोई हताहत नहीं

दिल्ली। राजधानी के भीड़भाड़ भरे इलाके भागीरथ प्लेस में बृहस्पतिवार को बिजली का सामान रखने वाले गोदाम में आग लग गई जिसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आग लगने की सूचना दोपहर करीब 1:49 बजे मिली और इमारत की दूसरी मंजिल से लपटें निकल रही थीं। दिल्ली अग्निशमन सेवा ने आठ गाड़ियां मौके पर भेजीं, जिससे दो घंटे के भीतर आग पर काबू पा लिया गया। प्रारंभिक जानकारी से पता चला है कि आग बिजली के सजावटी सामान के भंडारण से फैलना शुरू हुई।

2,200 से ज्यादा कंपनियों ने छोड़ा बंगाल, इन राज्यों की ओर किया रुख, बेरोजगारी बढ़ने का खतरा मंडराया

नईदिल्ली। हाल ही में आपने महाराष्ट्र, गुजरात के बीच की प्रतिस्पर्धा देखने को मिली थी। किसके पास सेमीकंडक्टर कंपनियां आएंगी। किसके पास रिफाइनरी की इंडस्ट्री आएगी। ऐसे में किसी राज्य से कंपनियों पलायन होता है तो ये अपने आप में काफी बड़ी बात हो जाती है। पहले पूरा मामला क्या है ये आपको बताते हैं। भारत सरकार की तरफ से बताया गया है कि पश्चिम बंगाल से काफी सारी कंपनियां अपना ऑफिस बंद करके दूसरे राज्यों की ओर रुख कर रही हैं। इसे एक तरह का कॉरपोरेट पलायन बताया जा रहा है। पश्चिम बंगाल में बीते पांच वर्षों में 2,200 से अधिक कंपनियों ने राज्य छोड़ दिया है। आज के वक्त में देखें तो भारत ज्यादा से ज्यादा कंपनियों को अपनी ओर आकर्षित करने की कोशिश में लगा है। तो ऐसे में राज्यों के अंदर कंपटीशन भी बना हुआ है कि कौन कितनी ज्यादा सुविधाएं मुहैया कराएगा। जैसे हाल ही में आपने महाराष्ट्र, गुजरात के बीच की प्रतिस्पर्धा देखने को मिली थी। किसके पास सेमीकंडक्टर कंपनियां आएंगी। किसके पास रिफाइनरी की इंडस्ट्री आएगी। ऐसे में किसी राज्य से कंपनियों पलायन होता है तो ये अपने आप में काफी बड़ी बात हो जाती है। पहले पूरा मामला क्या है ये आपको बताते हैं।

संसद के ऊपरी सदन राज्यसभा में पूछे गए एक प्रश्न के जवाब में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ। कॉरपोरेट मामलों के कनिष्ठ मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने संसद को बताया कि पिछले पांच वर्षों में 2,200 से अधिक कंपनियों ने अपने पंजीकृत कार्यालय पश्चिम बंगाल से बाहर स्थानांतरित किए हैं, जिनमें से कम से कम 39 सूचीबद्ध संस्थाएं हैं। राज्यसभा में भाजपा सांसद समिक भट्टाचार्य के सवालों के जवाब में मल्होत्रा के जवाब ने तृणमूल कांग्रेस को सांसद के सवालों को पक्षपाती और भ्रामक करार दिया और भाजपा पर पूरी तरह से बंगाल विरोधी होने का आरोप लगाया। टीएमसी के राज्यसभा सांसद और पार्टी प्रवक्ता साकेत गोखले ने कहा कि यह सवाल पक्षपातपूर्ण और भ्रामक था। भाजपा का एकमात्र उद्देश्य बंगाल को खराब छवि में दिखाना था। पार्टी ने हमेशा ऐसा किया है। इससे उसे एक तरह का विकृत आनंद मिलता है। गोखले ने सवाल किया कि भाजपा ने उसी अवधि में नए पंजीकरणों की संख्या के बारे में क्यों नहीं पूछा। अगर वे पूरी सच्चाई जानना चाहते थे और पूरी तस्वीर पाने में रुचि रखते थे, तो उन्हें नए पंजीकरणों की संख्या भी पूछनी चाहिए थी। कंपनियों ने अपने मुख्यालयों को स्थानांतरित करने के लिए कई कारण बताए हैं, जिनमें प्रशासनिक और परिचालन सुविधा से लेकर लागत दक्षता और बेहतर प्रबंधकीय नियंत्रण तक शामिल हैं। हालांकि, यह निर्दिष्ट नहीं किया गया कि फर्म कहां स्थानांतरित हुईं। कंपनी अधिनियम कंपनियों को अपने पंजीकृत कार्यालयों को स्थानांतरित करने की अनुमति देता है। मंत्री ने कहा कि 2,227 पंजीकृत कार्यालयों के बाहर निकलने में विनिर्माण, वित्त, कमीशन एजेंसियां और व्यापार जैसे विविध क्षेत्र शामिल हैं। 1970 के दशक तक पंजीकृत कंपनियों की संख्या के मामले में बंगाल महाराष्ट्र के बाद दूसरे स्थान पर था, लेकिन 2021 तक यह आठवें स्थान पर खिसक गया। कई कंपनियों ने गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक जैसे राज्यों की ओर रुख किया है। कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय की वेबसाइट से डेटा के अनुसार महाराष्ट्र शीर्ष पर, जबकि मुंबई अधिकांश कंपनियों के लिए पसंदीदा स्थान था। ये राज्य निवेश को आकर्षित करने के लिए सक्रिय प्रयास कर रहे हैं, जिससे पश्चिम बंगाल की स्थिति और भी कमजोर होती जा रही है।

अरुणाचल के सभी जिलों को जोड़ने वाला राजमार्ग जल्द पूरा होगा: रीजीजू

अरुणाचल। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने बुधवार को कहा कि राज्य के सभी 26 जिला मुख्यालयों को जोड़ने वाला ट्रांस-अरुणाचल राजमार्ग पूरा होने के करीब है। केंद्रीय संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री रीजीजू कामले जिले के बोसिमला में न्यिशी जनजाति के त्योहार न्योकुम युल्लो के अवसर पर एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी मौजूद थे। रीजीजू ने कहा, ह्यह्यट्रांस-अरुणाचल राजमार्ग, जो पूरा होने के करीब है, राज्य के सभी जिला मुख्यालयों को निर्बाध रूप से जोड़ेगा, जिससे विकास को बढ़ावा मिलेगा। अरुणाचल प्रदेश के लिए केंद्र की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए मंत्री ने कहा कि सरकार ने 42,000 करोड़ रुपये की सीमांत राजमार्ग परियोजना को मंजूरी दी है, जो एक ऐतिहासिक पहल है और इतने बड़े पैमाने पर भारत में अपनी तरह की पहली पहल है। रीजीजू ने पिछले हफ्ते कहा था कि अरुणाचल सीमांत राजमार्ग, जो भारत-चीन सीमा पर 12 जिलों को जोड़ेगा, पूर्वोत्तर राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों के लिए काफी उपयोगी साबित होगा।

विधायक अमीनुल इस्लाम गिरफ्तार, पहलगाम हमले पर की थी अपमानजनक टिप्पणी

असम। पहलगाम आतंकी हमले पर भारत विरोधी टिप्पणी करने वाले असम के AIUDF विधायक अमीनुल इस्लाम को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। असम डीजीपी हरमीत सिंह ने कहा कि असम पुलिस ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए AIUDF विधायक अमीनुल इस्लाम को गिरफ्तार किया है। पुलिस उन्हें नागांव पुलिस स्टेशन ले गई है। पुलिस ने बताया कि ढींग विधायक अमीनुल इस्लाम द्वारा सार्वजनिक रूप से दिए गए भ्रामक और भड़काऊ बयान के आधार पर, जो वायरल हो गया था और जिससे प्रतिकूल स्थिति पैदा होने की संभावना थी, नागांव पुलिस ने मामला दर्ज किया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने ट्वीट किया, असम उन सभी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगा जो पहलगाम में हुए भयावह, पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी हमले का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से बचाव करने की हिम्मत करते हैं। यह स्पष्ट रूप से जान लें: जो लोग निर्दोष नागरिकों की क्रूर हत्या को उचित ठहराने, सामान्य बनाने या कमजोर करने का प्रयास करते हैं, वे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रयोग नहीं कर रहे हैं - वे भारत की आत्मा के खिलाफ खड़े हैं। इससे पहले असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने दावा किया कि असम में रह रहे कुछ लोग पाकिस्तान का अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा, चाहे वह कोई भी क्यों न हो। अमीनुल इस्लाम ने पहलगाम हमला को राजनीतिक नाटक बताते हुए कहा था कि लोगों की हत्या धर्म के आधार पर नहीं की गई। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर में लगभग 26 पर्यटकों की हत्या करने वाले हमले को भाजपा द्वारा रची गई साजिश करार देते हुए भड़काऊ टिप्पणी ने सांप्रदायिक तनाव भड़काने और प्रतिकूल स्थिति पैदा करने की क्षमता के कारण एक्स पर व्यापक आक्रोश पैदा किया।

नतीजतन, नागांव पुलिस स्टेशन ने इस्लाम के खिलाफ बीएनएस की धारा 152, 196, 197(1), 113(3), 352 और 353 के तहत उकसाने और राष्ट्र-विरोधी टिप्पणियों के लिए मामला संख्या 347/25 दर्ज किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को यहां राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। यह बैठक जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर हुई। इस हमले में 26 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे। राष्ट्रपति भवन ने बैठक की एक तस्वीर साझा करते हुए एक्स पर एक पोस्ट में कहा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।

कोटा में नीट की तैयारी कर रहे छात्र का शव मिला, आत्महत्या का संदेह

कोटा। राष्ट्रीय पात्रता प्रवेश परीक्षा (नीट) की तैयारी कर रहे दिल्ली के 23 वर्षीय एक छात्र का शव बृहस्पतिवार को यहां रेल लाइन के पास मिला, जिसके बाद प्रारंभिक जांच का हवाला देते हुए पुलिस ने कहा कि युवक ने जहर खाकर आत्महत्या की। पुलिस के अनुसार युवक का शव लैंडमार्क सिटी इलाके में मिला औरघटनास्थल पर कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। देश का कोचिंग हब कहे जाने वाले कोटा में 48 घंटे में किसी नीट अभ्यर्थी द्वारा कथित तौर पर आत्महत्या किए जाने का यह दूसरा मामला है और जनवरी से अब तक 12वां मामला है। पुलिस निरीक्षक अरविंद भारद्वाज ने पीटीआई-भाषा को बताया कि दिल्ली के तुगलकाबाद के निवासी रोशन शर्मा का शव झाड़ियों से बरामद किया गया उन्होंने कहा कि कुछ राहगीरों ने शव को देखा और पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने छात्र के मोबाइल से उसके माता-पिता से संपर्क किया।

एक अधिकारी ने बताया रोशन की बुधवार रात अपने परिवार से आखिरी बार बात हुई थी और परिवार के सदस्यों के अनुसार रोशन ने उनसे कहा था कि वह न तो नीट परीक्षा देगा और न ही दिल्ली लौटेगा बल्कि जहर खाकर अपनी जान दे देगा। अधिकारी ने बताया कि उसे अगले महीने नीट परीक्षा देनी थी। रोशन के माता-पिता ने कहा कि वह बोरखेड़ा इलाके के कोरल पार्क में एक छात्रावास में रह रहा था और उसके माता-पिता ने पुलिस को बताया कि वे कुछ दिन पहले रोशन को वापस घर लाने के लिए कोटा गए थे, लेकिन उसने इनकार कर दिया था। अधिकारी के अनुसार माता-पिता ने बताया कि वे उसके कपड़े और सामान लेकर चले गए। पुलिस ने कहा कि शव को यहां एमबीएस अस्पताल के मुर्दाघर में रखा गया है। उल्लेखनीय है कि बिहार के छपरा के रहने वाले 18 साल के एक लड़के ने मंगलवार तड़के अपने छात्रावास के कमरे में कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

वरिष्ठ सदस्य के निधन पर यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन ने की शोक सभा

पहलगाम मे आतंकवाद के शिकार हुए लोगो को दी गयी श्रद्धांजली

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन की जनपद इकाई के तत्वाधान में कलेक्ट्रेट परिसर स्थित पत्रकार भवन में एक शोक सभा का आयोजन यूनियन के अध्यक्ष विजय प्रकाश मिश्र की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसका संचालन महामंत्री संतोष कुमार संथालिया ने किया। शोक सभा में यूनियन के वरिष्ठ सदस्य और वरिष्ठ कहानीकार व पत्रकार कुंवर यशवंत सिंह के आकस्मिक निधन पर शोक करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए 2 मिनट का मौन रखकर शोक व्यक्त किया गया और उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला गया।इसी क्रम में श्रीनगर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा 28 पर्यटकों की निर्मम हत्या पर रोष प्रकट करते हुए मृतको को श्रद्धांजलि देते हुए 2 मिनट का मौन रखकर उन्हे श्रद्धांजलि अर्पित की गई और एक स्वर में मांग की गई की भारत सरकार को अभिलम्ब कठोर से कठोर कदम उठाते हुए उनके विरुद्ध कार्रवाई किए जाने की मांग की गई। इस अवसर पर यूनियन के उपाध्यक्ष संपादक आदर्श कुमार, वरिष्ठ पत्रकार अरूण कुमार सिंह, डॉ. यशवन्त कुमार गुप्त, गंगा प्रसाद चौबे, शशि राज सिन्हा, राजेश मिश्र, सचिन श्रीवास्तव, प्रेम प्रकाश मिश्र, जुबेर अहमद, संतोष राय, विजय प्रताप सिंह, प्रोफेसर आसाराम, संजय शुक्ला, दीपक चिटकारिया, ऋतिक अरोड़ा, विद्याधर राय विद्यार्थी, लाल बहादुर यादव, संजय शुक्ला, प्रमोद कुमार पाण्डेय, राजेश कुमार श्रीवास्तव, अमरेश कुमार पाण्डेय, सहित अनेक पत्रकार बन्धु उपस्थित रहे।

मंडलायुक्त ने कमिश्नरी परिसर का किया औचक निरीक्षण

* निरीक्षण के दौरान संरक्षित पत्रावलियों के रखरखाव उनकी सुरक्षा संबंधित जानकारी ली
* परिसर में साफ-सफाई तथा सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान देने को निर्देश
*फरियादियों की समस्याओं को भी सुना तथा उसके उचित निस्तारण हेतु निर्देश

-सुरेश गांधी

वाराणसी। मंडलायुक्त एस राजलिंगम ने कमिश्नरी परिसर का औचक निरीक्षण करते हुए न्यायालयों के न्यायिक कार्यो, वादों से संबंधित पत्रावलियां, वाद पत्रावलियों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सभी भवनों, न्यायालय कक्षों, राजस्व अभिलेखागार, मंडलीय राहत कक्ष, नजारत, स्टेनो कक्ष, लाइब्रेरी, प्रशासनिक सुधार कक्ष, आंग्ल अभिलेखागार, सांख्यिकीय कक्ष आदि का बृहद निरीक्षण किया। उन्होंने संरक्षित पत्रावलियों के रखरखाव उनकी सुरक्षा संबंधित जानकारी ली। उन्होंने कहा कि परिसर की साफ सफाई और सुरक्षा का भी ध्यान रखा जाए। निरीक्षण के क्रम में मंडलायुक्त द्वारा सभी पटल सहायकों से परिचय प्राप्त करते हुए उनके कार्यों के बारे में जानकारी ली गयी। उन्होंने फाइलों के रखरखाव, सभी रजिस्टरों के एक प्रमुख मास्टर रजिस्टर बनाने को निर्देशित किया। रिकार्ड का श्रेणीकरण करने जिसमें उन्होंने स्थायी तथा अस्थायी रिकार्ड वाइज फाइल को रखने को निर्देशित किया अतिरिक्त कार्मिक लगाकर फाइलों के सूचीबद्धता कराने को निर्देशित किया। मंडलायुक्त ने निर्देश देते हुए कहा कि लोगों की समस्याओं का शीघ्र निस्तारण कराया जाये। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त प्रशासन राकेश गुप्ता, अपर आयुक्त सुभाष यादव, अपर निदेशक सूचना सुरेंद्र नाथ पाल, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी अविनाश शर्मा समेत कमिश्नरी के कर्मचारी उपस्थित रहे।

पहलगाम हमले को लेकर भारत-नेपाल सीमा पर हाई अलर्ट, गहनता से ली जा रही तलाशी

श्रावस्ती। जम्मू कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में हुए आतंकी हमले के मद्देनजर भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को सख्त कर दिया गया है। एसएसबी की ओर से सीमा पर हाई अलर्ट घोषित किया है, ताकि सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा की दृष्टि से सतर्कता और चौकसी को बढ़ाया जा सके। सुइया बार्डर पर डाग स्क्वाड (श्वान दस्ता) के साथ हर आने-जाने वालों की सघन जांच की गई। कमांडेंट अमरेंद्र कुमार वरुण ने बताया कि "सी" समवाय सुइया एसएसबी के कार्यक्षेत्र में सहायक कमाडेंट राजकुमार के नेतृत्व में भिनगा सीओ संतोष कुमार पीएसी जवानों के साथ मिलकर संयुक्त गश्त अभियान चलाया। यह गश्त भारत-नेपाल सीमा पर संवेदनशील स्थलों पर की गई।

संवेदनशील स्थलों पर किसी भी संदिग्ध गतिविधि को रोकने के लिए विशेष निगरानी रखी जा रही है। सीमा पर नेपाल से आने वाले हर नागरिक की गहनता से पहचान, तलाशी व सत्यापन किया गया। सुरक्षा एजेंसियों की ओर से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कोई असामाजिक तत्व या संदिग्ध व्यक्ति सीमा के माध्यम से देश में प्रवेश न कर सके।

वाहिनी के तहत आने वाली सभी सीमा चौकियों की ओर से दिन-रात सीमा पर पैनी नजर रखी जा रही है। गश्त के दौरान जवानों सीमावर्ती ग्रामीणों को भी सतर्क रहने की अपील की है तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत स्थानीय प्रशासन या सुरक्षा बलों को देने का आग्रह किया है। कमांडेंट ने बताया कि 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल भारत-नेपाल सीमा पर शांति, सुरक्षा व सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए सतत रूप से प्रतिबद्ध है। गश्त के दौरान निरीक्षक चंद्रसेन कुमार, सिरिसिया थाने के प्रभारी निरीक्षक राजकुमार सरोज, राजपुर पुलिस चौकी प्रभारी उप निरीक्षक गौरव सिंह शामिल रहे।

व्यापार प्रभावित होगा, लेकिन हम पीएम मोदी के फैसले के साथ हैं, अटारी बॉर्डर बंद करने पर जानें व्यापारियों का रुख

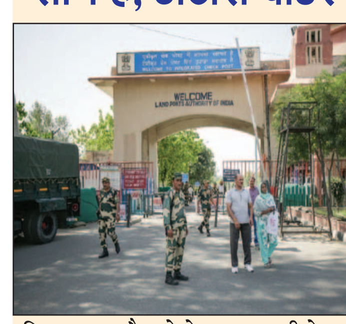

अटारी बॉर्डर । इससे पहले विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बुधवार को कहा कि आतंकवादी हमले की गंभीरता को देखते हुए सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) ने निम्नलिखित कदम उठाए, जिनमें पांच प्रमुख निर्णय शामिल हैं। मिस्री ने कहा, ₹नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग में रक्षा/सैन्य, नौसेना और वायु सलाहकारों को अवांछित व्यक्ति घोषित किया जाता है। उनके पास भारत छोड़ने के लिए एक सप्ताह का समय है।

भारत सरकार ने अटारी बॉर्डर को तत्काल प्रभाव से बंद करने का फैसला किया है। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार ने ये फैसला किया है। केंद्र सरकार द्वारा लिए गए इस फैसले के बाद अटारी के एक व्यापारी ने कहा कि सीमा बंद होने से निश्चित रूप से व्यापार पर असर पड़ेगा, लेकिन जो पहलगाम आतंकवादी हमला हुआ, वह भी गलत था। अटारी के एक व्यापारी ने कहा, अटारी सीमा बंद होने से यहां के व्यापार पर असर जरूर पड़ेगा... लेकिन जो घटना हुई है, वह भी बहुत गलत है।₹ एक अन्य व्यापारी ने कहा कि पुलवामा में निर्दोष लोगों पर हमला गलत था। उन्होंने कहा, ₹पर्यटक पर हमला गलत था। हम देश के साथ खड़े हैं। जिस हिसाब से मोदी जी देश चला रहे हैं, चलाने दो। हम प्रधानमंत्री मोदी के फैसलों के साथ खड़े हैं।₹ इस बीच, सुरक्षा बलों ने जम्मू-राजौरी-पुंछ राष्ट्रीय राजमार्ग-144 पर सतर्कता बढ़ा दी है।

राजौरी ट्रैफिक पुलिस अधिकारी अहमद दीन ने कहा, ₹हम स्थानीय कारों के लाइसेंस चेक कर रहे हैं। हम लोडेड ट्रक को आने की अनुमति नहीं दे रहे हैं क्योंकि इससे जाम लग सकता है। ट्रैफिक पुलिस मौजूद है, जिला पुलिस मौजूद है और सेना भी हमारा साथ दे रही है। चौबीसों घंटे नाके लगे हुए हैं। इससे पहले विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बुधवार को कहा कि आतंकवादी हमले की गंभीरता को देखते हुए सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) ने निम्नलिखित कदम उठाए, जिनमें पांच प्रमुख निर्णय शामिल हैं। मिस्री ने कहा, ₹नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग में रक्षा/सैन्य, नौसेना और वायु सलाहकारों को अवांछित व्यक्ति घोषित किया जाता है। उनके पास भारत छोड़ने के लिए एक सप्ताह का समय है। भारत इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग से अपने रक्षा/नौसेना/वायु सलाहकारों को वापस बुलाएगा। संबंधित उच्चायोगों में ये पद निरस्त माने जाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि अटारी स्थित एकीकृत चेक पोस्ट को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया जाएगा। सीसीएस द्वारा तय किए गए अन्य उपायों में सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से स्थगित करना शामिल है, ₹जब तक कि पाकिस्तान विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से सीमा पार आतंकवाद के लिए अपने समर्थन को त्याग नहीं देता।

'बेगुनाहों को क्यों मार रहे' कहकर आतंकियों से भिड़ गया था आदिल, पिता बोले-फक्र है उसकी शहादत पर

पहलगाम। अनंतनाग जिले के हापतनार गांव के 29 वर्षीय टट्टू सवारी संचालक की हत्या तब कर दी गई जब उसने एक आतंकवादी को रोकने की कोशिश की और उससे पूछा कि वह निर्दोष लोगों को क्यों मार रहा है। यह जम्मू-कश्मीर में सबसे घातक हमलों में से एक था, जिसमें सैयद आदिल के अलावा 25 अन्य लोग एक निर्मम हत्या में मारे गए थे। जब संदिग्ध आतंकवादियों ने पहलगाम घाटी के बैसरन मैदान में पर्यटकों पर हमला किया और उनका नाम या धर्म पूछकर उन्हें गोलियों से भून दिया, तो उन्होंने स्थानीय टट्टू वाले सैयद आदिल हुसैन शाह को भी नहीं बख्शा। अनंतनाग जिले के हापतनार गांव के 29 वर्षीय टट्टू

सवारी संचालक की हत्या तब कर दी गई जब उसने एक आतंकवादी

को रोकने की कोशिश की और उससे पूछा कि वह निर्दोष लोगों को क्यों मार रहा है। यह जम्मू-कश्मीर में सबसे घातक हमलों में से एक था, जिसमें सैयद आदिल के अलावा 25 अन्य लोग एक निर्मम हत्या में मारे गए थे। कश्मीरी मुस्लिम व्यक्ति एक टट्टू चालक के रूप में काम करता था, वह पर्यटकों को कार पार्क से बैसरन घास के मैदान तक घोड़े पर बैठाकर ले जाकर अपनी आजीविका चलाता था। उसके परिवार को रो-रो कर बूरा हाल हो रहा है। वहीं, उनके पिता हैदर शाह ने कहा कि मुझे उन पर और उनके बलिदान पर बहुत गर्व है। मैं गर्व की वजह से जीवित हूं। अन्यथा, मैं उसी क्षण मर जाता जब मैंने उनका युवा, मृत शरीर देखा होता। मैं उनकी बहादुरी के कारण खुश हूं। उनकी वजह से कुछ लोग बच गए, और मुझे इस पर गर्व है। उनकी बहन ने कहा कि जब हमें यह खबर मिली तो हम टूट गए। वह बहुत अच्छा बेटा था। वह दिन में कमाता था और रात में परिवार का पेट भरता था। उन्हें (आतंकवादियों को) मेरे भाई की करनी का सामना करना चाहिए। उन्होंने उसे तीन गोलियां मारी। अब हम अपने भाई को कहां पाएंगे? वह दूसरों की जान बचाने की कोशिश में मर गया। पर्यटकों को पैदल या टट्टू से ही पहुंचने योग्य सुंदर पहाड़ी क्षेत्र में ले जाकर, सैयद आदिल प्रतिदिन 400-500 रुपये की मामूली राशि कमा पाते थे। उनके पास कोई टट्टू नहीं था और वे एक टट्टू मालिक के लिए बहुत कम पैसे में काम करते थे।

परिवार के एकमात्र कमाने वाले को अपने बुजुर्ग माता-पिता, पत्नी, छोटे बच्चों और बहनों की देखभाल करनी पड़ती थी। परिवार के पास कोई वित्तीय सुरक्षा नहीं थी और टट्टूवाला पहलगाम से लगभग 35 किलोमीटर दूर एक सुदूर गांव हपतनार में मामूली परिस्थितियों में रहता था दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के हपतनार में हुसैन के अंतिम संस्कार के बाद मीडिया से बात करते हुए अब्दुल्ला ने कहा, ₹मैं इस हमले की कड़े शब्दों में निंदा करता हूं। इस कायरतापूर्ण हमले में एक गरीब स्थानीय मजदूर की मौत हो गई। वह बहादुर था। पर्यटकों को बचाने की कोशिश में उसकी जान चली गई। मैंने यह भी सुना है कि उसने एक आतंकवादी से बंदूक छीनने की भी कोशिश की थी। तभी उसे निशाना बनाया गया और गोली मार दी गई।